RNI NO. 50259/90

वर्ष : 36

अंक : 270

भोपाल, बुधवार

10 दिसम्बर 2025

पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

www.amritdarshan.com

Email : amritdarshan@yahoo.com

अनाधिकृत लोगों की एंट्री रोकने के लिए नई व्यवस्था

ड्रेस कोड में नजर आएंगे महाकाल मंदिर के पुजारी, आई कार्ड भी रखना होगा

उज्जैन ■ अमृत दर्शन

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति जल्द ही एक नई व्यवस्था लागू करने जा रही है, जिसके तहत महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले पुजारी और पुरोहित भी ड्रेस कोड में नजर आएंगे। प्रबंध समिति द्वारा यह कार्य इसीलिए किया जा रहा है, क्योंकि मंदिर में सभी पुजारियो और पुरोहित की एक जैसी वेशभूषा देखकर अधिकांश समय श्रद्धालु मंदिर के अन्य लोगों के संपर्क में आकर ठगी के शिकार हो जाते हैं। इस नई व्यवस्था से सभी पुजारी पुरोहित और उनके प्रतिनिधि एक ही तरह के ड्रेस कोड में नजर आएंगे जिससे उन्हें आसानी से पहचाना जा सकेगा। मामले की जानकारी देते हुए श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी और पुरोहितों के लिए भी ड्रेस कोड लागू होने वाला है। इसके तहत अब मंदिर के 16 रजिस्टर्ड पुजारी, 22 पुरोहित और लगभग 45 प्रतिनिधि सभी को ड्रेस कोड का पालन करना जरूरी होगा। इस ड्रेस कोड को लागू करने के बारे में प्रशासक ने बताया कि एक जैसी वेशभूषा होने के कारण श्रद्धालु मंदिर के पुजारी और पुरोहितों को आसानी से पहचान सकेंगे।

ठगी पर लगेगी रोक

इस सबके साथ ही उनके गले में आईडी कार्ड भी होगा, जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को इन्हें पहचानने में कोई भी परेशानी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि कई बार एक जैसी वेशभूषा होने के कारण अनाधिकृत लोग भी पुजारी पुरोहित बनकर मंदिर में प्रवेश कर जाते हैं। इस नई व्यवस्था से श्रद्धालुओं को जहां पुजारी पुरोहितों को पहचानने में कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

नियमों का कराया जाएगा पालन

ड्रेस कोड लागू होते ही श्री महाकालेश्वर प्रबंध समिति यह प्रयास करेगी की सभी पुजारी पुरोहित और उनके प्रतिनिधि ड्रेस कोड का पालन करें और अपने गले में आईडी कार्ड भी डालकर रखें। इस कार्ड पर व्यक्ति का नाम, पता, फोटो, ब्लड ग्रुप के साथ ही मोबाइल नंबर की भी जानकारी होगी। अगर किसी कारण से यह कार्ड गुम होता है तो तुरंत इसकी जानकारी महाकाल थाने पर देना अनिवार्य होगा।

धान बेचकर आ रहे किसान हादसे का शिकार

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में गिरा, 3 किसानों की मौत

भिंड। भिंड जिले के लहार थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक हादसा हो गया। नानपुरा गांव के पास टूटी हुई पुलिया से गुजरते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबने से 3 किसानों की मौके पर ही मौत हो गई। ये तीनों यूपी से अपनी धान की फसल बेचकर लौट रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकलवाया और हॉस्पिटल भिजवाया। मृतकों की पहचान रावतपुरा सानी गांव निवासी झींगुरी सिंह राजपूत, बलवीर सिंह राजपूत और शिब्बू उर्फ शिवेंद्र सिंह राजपूत के रूप में हुई है। ये तीनों धान बेचने के लिए यूपी गए थे। मंगलवार देर शाम वे वापस लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे नानपुरा गांव के पास टूटी पुलिया से गुजरते वक्त अंधेरे में ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सीधे नहर में पलट गया। अंधेरे के चलते किसी को तुरंत इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। पास के खेतों में पानी दे रहे कुछ किसानों की नजर नहर में उल्टे पड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली पर पड़ी। पास जाकर देखा तो तीनों किसान ट्रैक्टर के नीचे दबे हुए थे। ग्रामीणों ने तुरंत लहार पुलिस को सूचना दी।

फंसे ट्रैक्टर को हटाया
पुलिस और ग्रामीणों की मदद से नहर के पानी में फंसे ट्रैक्टर को हटाया गया। इसके नीचे दबे तीनों किसानों के शव बाहर निकाले गए। ट्रैक्टर-ट्रॉली के नीचे दबने और पानी में डूबने से तीनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

मध्यप्रदेश के सागर-झांसी नेशनल हाइवे 44 पर बड़ा सड़क हादसा

कंटेनर से पुलिस वाहन की टक्कर चार जवानों की मौत, एक गंभीर

नक्सल विरोधी अभियान से ड्यूटी कर लौट रहे थे, मुरैना बम डिस्पोजल एवं डॉग स्क्वॉड के थे जवान

हादसे पर जताया दुखः मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दी श्रद्धांजलि

सागर ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के सागर जिले में एक सड़क दुर्घटना में मुरैना बम डिस्पोजल एवं डॉग स्क्वॉड के चार जवान काल की गाल में समा गया। एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल है, यह हादसा सागर जिले के बांदरी और मालथौन के बीच नेशनल हाइवे 44 पर सुबह करीब चार बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, मुरैना के जवानों का पुलिस वाहन, जो ड्यूटी पर था, एक कंटेनर से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुलिस वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही तत्काल घटनास्थल की ओर रवाना किया गया और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। भीषण दुर्घटना में चार जवानों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

जवानों की पहचान आरक्षक प्रधुमन दीक्षित (मुरैना निवासी), आरक्षक अमन कौरव (मुरैना निवासी), चालक परमलाल तोमर (मुरैना निवासी), डॉग मास्टर विनोद शर्मा (भिंड निवासी) के रूप में हुई है। हादसे में घायल आरक्षक राजीव चौहान को गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए भोपाल के निजी अस्पताल ले जाया गया है, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

डॉग सुरक्षित, जांच जारी

घटना के दौरान वाहन में मौजूद स्क्वॉड का डॉग पूरी तरह से सुरक्षित बताया गया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि शुरुआती अनुमान है कि तेज रफ्तार या चालक के नियंत्रण खो देने के कारण पुलिस वाहन अनियंत्रित होकर कंटेनर से टकराया है। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कंटेनर के चालक की तलाश जारी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और जवानों के पार्थिव शरीरों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है।

शहीद हुए जवानों के नाम

- आरक्षक प्रधुमन दीक्षित
- आरक्षक अमन कौरव
- चालक परमलाल तोमर (सभी निवासी मुरैना)
- डॉग मास्टर विनोद शर्मा (निवासी भिंड)

सीएम ने जताई संवेदना

सीएम डॉ मोहन यादव ने इस हादसे पर दुख जताया हैं। उन्होंने हादसे में दिवंगत पुलिसकर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने एक्स पर लिखा ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और घायल पुलिसकर्मी शीघ्र स्वस्थ हों।

गोवा अग्निकांड केस

नाइट क्लब का सह मालिक अजय गुप्ता गिरफ्तार

पणजी। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के मामले में गोवा पुलिस ने आरोपी सह-मालिक अजय गुप्ता को नई दिल्ली से हिरासत में लिया है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अजय गुप्ता का पहला बयान सामने आया है। गुप्ता ने कहा, मैं तो बस एक साझेदार (पार्टनर) हूं। मुझे कुछ नहीं पता। इस बीच, नाइट क्लब के मालिक गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा ने अग्रिम जमानत के लिए दिल्ली की रोहिणी अदालत में या याचिका दायर की है। गोवा बिर्क नाइट क्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। गुप्ता ने लापरवाही का सारा दोष क्लब के मालिकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा पर डाला है।

इंडिगों फ्लाइट कैंसिलेशन पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

केंद्र सरकार से पूछा- हालात इतने खराब कैसे हुए?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने इंडिगो की लगातार फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए केंद्र सरकार से सवाल किया है कि आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है। अदालत ने सवाल उठाया कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? कोर्ट ने साफ शब्दों में पूछा कि ऐसी स्थिति में दूसरी एयरलाइंस के दाम बढ़ाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है। सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह लागू है और इंडिगो को शो-कॉज नोटिस जारी किया जा चुका है। केंद्र ने कहा कि एयरलाइन ने अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी है और स्थिति सुधारने का आश्वासन दिया है।

ऐसे संकट में टिकटों के दाम क्यों बढ़ाए

नौवें दिन भी इंडिगो संकट जारी

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। रोजाना लगभग 2300 फ्लाइट्स ऑपरेट करने वाली और घरेलू एविएशन मार्केट में 60 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इस एयरलाइन का मार्केट कैप मौजूदा संकट के बाद करीब 21,000 करोड़ रुपये तक घट चुका है। ऐसे में आज इस संकट के नौवें दिन भी दिल्ली, अहमदाबाद और मुंबई पर इंडिगो एयरलाइंस के फ्लाइट कैंसिल हैं।

अंतर्मना उवाच

ये चार बातें हमें जीने, जानने और समझने को मजबूर करती है-

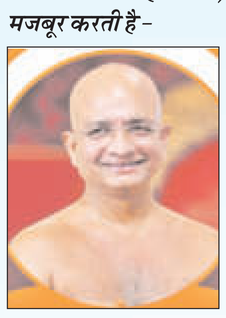

*(1) **भय** - आपको होश में जीने की प्रेरणा देता है।*

*(2) **जुनून** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप नहीं कर सकते।*

*(3) **हौसला** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप करना चाहते हैं।*

*(4) **अनुभव** - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आपको करना चाहिए।*

***जीवन में थोड़ा भय तो होना ही चाहिए।** अन्यथा व्यक्ति उच्छंकर हो जायेगा।*

- ***भय** - पाप के फल का हो सकता है।*
- ***भय** - माता पिता की डाट का हो सकता है।*
- ***भय** - गलत कार्य करने में पकड़ने का हो सकता है।*
- ***मौत का भय** - जीवन जीना सिखा सकता है।*
- ***बिमारी का भय** - गलत खान पान से बचा सकता है।*
- ***गंदगी का भय** - स्वच्छ जीवन जीने की प्रेरणा दे सकता है।*
- ***दुःख का भय** - आदमी को नेकी की राह दिखा सकता है।*

***इसलिए** - जो मनुष्य भय को समझकर उसे स्वीकार कर लेता है, वह भय के पाप से मुक्त होकर अभय और निर्भयता का जीवन जीना शुरू कर देता है।*

संसार में सन्त-परमहंस और पागल को भय नहीं होता। शेष हर व्यक्ति, हर इन्सान को और संसार के सभी प्राणीयों को भय रहता ही है और रहना भी चाहिए...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

माइक्रोसॉफ्ट के बाद अमेजन का बड़ा ऐलान

भारत में 35 बिलियन डॉलर करेगी निवेश, आएंगी 10 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली ■ एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब अमेज़न ने भी भारत में 35 बिलियन डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी के अधिकारी ने बताया कि अमेजन 2030 तक भारत में अपने कारोबार में 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 3.14 लाख करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। अमेरिकी ई-कॉमर्स दिग्गज 2030 तक भारत में अपने ऑपरेशन का विस्तार करने और अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं को मजबूत करने में इस राशि का इस्तेमाल करेगी। यह कदम अमेजन ने दुनिया की सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले देश में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने के इरादे से उठाया है। कंपनी ने इस सम्मेलन में छोटे कारोबारियों और एमएसएमई और एई टूल्स देने का प्लान बताया। और कहा कि 2013 से अब तक अब तक भारत में कुल 40 बिलियन डॉलर (करीब 3.59 लाख रुपये) का निवेश किया जा चुका है।

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली शामिल

पीएम बोले- यह हमारी सभ्यता की आत्मा भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया। यह निर्णय यूनेस्को की एक अहम बैठक के दौरान लिया गया। बैठक दिल्ली के लाल किले में आयोजित की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है और देश-विदेश में हर देशवासी इस फैसले से उत्साहित है। यह पहली बार है जब भारत इसकी अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। यह समिति अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के लिए कार्य करती है। इस समिति का 20वां सत्र आठ दिसंबर से 13 दिसंबर तक लाल किले में चल रहा है। जब यूनेस्को ने घोषणा की कि दीपावली को यूनेस्को के त्योहारों की सूची में शामिल कर दिया गया है।

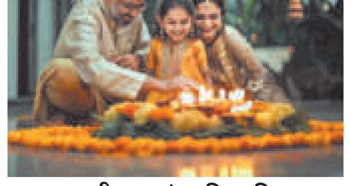

भारत की15 सांस्कृतिक विरासत इस सूची में शामिल है, जिनमें कुम्भ मेला, दुर्गा पूजा, गरबा नृत्य, योग और रामलीला शामिल

कॉलेज से घर जा रहा युवक हादसे का शिकार

8 दिन पहले ही लिया था रूम, पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में जुटी

इंदौर ■ निसं

इंदौर के निजी कॉलेज से घर जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अपनी ड्यूटी खत्म कर निकला था। मामले में परिजनों को सूचना लगने के बाद वह मौके पर पहुंचे। लेकिन युवक की यहां मौत हो चुकी थी। लसूडिया पुलिस के मुताबिक घटना मंगलवार शाम अरड़िया बायपास के पास की है। यहां अभिषेक(23) पुत्र अनिल रजक हादसे का शिकार हो गया। पुलिस के मुताबिक वह निजी कॉलेज में सिक्योरिटी गार्ड का काम करता है। शाम को ड्यूटी खत्म होने

के बाद ही नजदीक अपने रूम पर जाने के लिए निकला था। इस दौरान वह सड़क क्रॉस हो रहा था। तभी उसे किसी वाहन ने चपेट में ले लिया। अभिषेक कई फिट दूर जा गिरा। उसके मोबाइल से परिचितों को कॉल गए। फिर परिवार को जानकारी लगी।

चाचा ब्रजेश ने बताया कि वह मूल रूप से गुना के रहने वाले हैं। अभिषेक करीब 10 माह से इंदौर में विस्तारा कॉलोनी में उनके साथ में ही रहता था। 8 दिन पहले उसने कॉलेज के पास रूम लिया था। उसने कहां था कि उसका आना-जाना दूर होता है। वहीं डबल ड्यूटी भी करने में आसानी होगी। अभिषेक के पिता गुना में सीमेंट फैक्ट्री में काम करते हैं। दो बड़े भाई वहीं रहते हैं। पुलिस के मुताबिक मामले में मर्ग कायम कर टक्कर मारने वाले वाहन की जानकारी जुटाई जा रही है।

इंदौर से मुंबई के लिए एक नया रेल मार्ग मिलने जा रहा है

चार माह बाद दौड़ेगी इंदौर से धार के बीच ट्रेन, टनल और ट्रेक का काम पूरा

इंदौर ■ निसं

इंदौर से मुंबई के लिए एक नया रेल मार्ग मिलने जा रहा है। फिलहाल इस रुट पर अगले चार माह बाद इंदौर से धार तक ट्रेन चलेगी। इंदौर-दाहोद रेल लाइन का काम अब जल्दी पूरा होने वाला है। मालवा निमाड़ के आदिवासी जिले धार में ट्रेन की छुक-छुक नजर आएगी। धार में रेलवे स्टेशन का काम अंतिम चरण में है और रेलवे ने टीही टनल और ट्रेक का काम भी 95 प्रतिशत पूरा कर लिया है। टनल की फिनिशिंग की जा रही है। रेलवे अफसरों का कहना है कि मार्च माह तक इंदौर से धार के बीच ट्रेन का संचालन शुरू हो सकता है। इस

प्रोजेक्ट में टनल की वजह से काफी देर हुई थी, लेकिन बीते तीन साल में टनल का काम तेजी से हुआ है।

इंदौर से दाहोद होते हुए नई रेल लाइन वड़ोदरा तक बिछेगी। इस नई रेल लाइन से इंदौर से वड़ोदरा,मुंबई के बीच की दूरी कम हो जाएगी। अब इस रुट के लिए ट्रेनों को देवास, उज्जैन,रतलाम होकर जाती है। अभी इंदौर से मुंबई के लिए अवंतिका और तेजस ट्रेन का संचालन होता है। नई रेल लाइन से आदिवासी अंचल देश के पश्चिमी रेल मार्ग से जुड़ जाएगा।

इंदौर-दाहोद रेल परियोजना का काम वर्ष 2008 में शुरू हुआ था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन करने आए थे, लेकिन इस परियोजना के पूर्ण होने में 17 साल लगे। अभी भी कुछ हिस्सों में काम बचा हुआ है। इस प्रोजेक्ट पर 1873 करोड़ रुपये की लागत आई है। 204 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन के बिछाए जाने से मध्य प्रदेश के उत्पादों को गुजरात के बंदरगाहों तक पहुंचाना आसान होगा। यह रेल लाइन पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को भी गुजरात और महाराष्ट्र से जोड़ेगी।

यह होगा इस प्रोजेक्ट से फायदा

- इंदौर-दाहोद रेल रुट से इंदौर से मुंबई के बीच की दूरी 55 किलोमीटर घट जाएगी।
- धार-झाबुआ, आलीराजपुर जैसे आदिवासी अंचल पहली बार रेलवे के नक्शे पर आएंगे।
- पीथमपुर के उद्योगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा। माल गाड़ी से परिवहन आसान हो जाएगा।
- गुजरात के आदिवासी अंचल का संपर्क भी मध्य प्रदेश से हो जाएगा। केवड़िया पर्यटन क्षेत्र को फायदा मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

शोरूम का ताला तोड़कर ट्रैक्टर, रोटावेटर ले उड़े चोर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर माखननगर स्थित एक शोरूम से चोरों ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात ताला तोड़कर एक नया ट्रैक्टर और रोटावेटर चोरी कर लिया। घटना का पता मंगलवार सुबह 10 बजे शोरूम खुलने पर चला। फरियादी की शिकायत पर माखननगर पुलिस ने रात 9 :30 बजे अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। फरियादी अनिल गौर, जो नर्मदापुरम के मंगलमय विला, कुलामड़ी रोड के निवासी हैं, का माखननगर के कुठारिया में पेट्रोल पंप के पास 'संगम एग्रो इक्विपमेंट' नाम से जॉन डियर कंपनी का ट्रैक्टर शोरूम है। चोरों ने रात में शोरूम का ताला तोड़ा और अंदर रखा हरे रंग का नया जॉन डियर मॉडल ट्रैक्टर और एक रोटावेटर चोरी कर रफूचक्कर हो गए।

इटारसी में बढ़ी ठंड, प्रमुख चौराहों पर जल रहे अलाव

इटारसी। इटारसी में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है, जिससे दिनभर सर्दी का असर महसूस किया जा रहा है। बढ़ती ठंड से लोगों को राहत प्रदान करने के लिए नगरपालिका ने शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव जलाने की व्यवस्था शुरू कर दी है। नगरपालिका की ओर जयस्तंभ चौक, रैन बसेरा और तुलसी चौक जैसे मुख्य स्थलों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य रात के समय राहगीरों और जरूरतमंदों को ठंड से बचाव सुनिश्चित करना है। जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में भी शीत लहर का असर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव अपेक्षित नहीं है। हालांकि, 13 से 15 दिसंबर के बीच रात के न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे ठंड में मामूली वृद्धि होगी। मौसम वैज्ञानिक वाहीद खान ने बताया कि उत्तर भारत की ओर ऊपरी हवाओं में चक्रवात की स्थिति बन रही है, और एक पश्चिमी विक्षोभ देश के उत्तर-पूर्वी हिस्सों में सक्रिय हो रहा है।

पिपरिया में मजदूर किसान का बेटा बना अग्निवीर

पिपरिया। पिपरिया के छोटे से गांव टड़ा के प्रिंस वेलबंशी का सेना में अग्निवीर के रूप में चयन हुआ है। मंगलवार रात वे सात महीने की ट्रेनिंग के लिए पूना रवाना हुए। इस मौके पर कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण उन्हें स्टेशन छोड़ने पहुंचे। प्रिंस के पिता कृषि मजदूरी करते हैं। प्रिंस भी अपने पिता का हाथ बंटाते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए खेतों में धान लगाने की मजदूरी भी की। उन्होंने पिपरिया के शहीद भगत सिंह पीजी कॉलेज से बीए की पढ़ाई पूरी की और एनसीसी का कोर्स भी किया। पढ़ाई के साथ-साथ, उसने फौज में भर्ती होने के लिए एविएशन एकेडमी में फिजिकल ट्रेनिंग भी की। दो साल पहले भी प्रिंस ने अग्निवीर के लिए प्रयास किया था, लेकिन मेडिकल जांच में अनफिट हो गए थे। इस असफलता के बावजूद, उन्होंने हार नहीं मानी और दोबारा कड़ी मेहनत की। फिजिकल फिटनेस के लिए एकेडमी ने उनका पूरा सहयोग किया। दोबारा अग्निवीर परीक्षा देने के बाद वे सफल हुए।

सागर में चाकू दिखाकर लूट, एक आरोपी गिरफ्तार

सागर। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने मंगलवार को लूट के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 8 दिसंबर को मीरा हॉस्पिटल के पास स्थित एक ऑनलाइन शॉप पर चाकू दिखाकर 10 हजार रुपए की लूट हुई थी। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी निशांत यादव (21) को पकड़ा है। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल स्कूटी भी जब्त की है, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार, विवेकानंद वार्ड निवासी नीलेश साहू ने अपनी पत्नी के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मीरा हॉस्पिटल के पास उनकी ऑनलाइन सामान की दुकान है। 8 दिसंबर की दोपहर करीब 12.30 बजे चार युवक- यश सोनी, निशांत यादव, अजय पटेल और प्रशांत पटेल दुकान पर आए। उन्होंने चाकू दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया। चाकू देख नीलेश डरकर दुकान के अंदर चले गए। इसी बीच आरोपी यश सोनी काउंटर पर रखे 10 हजार रुपए लेकर भाग निकला।

रायसेन में तीन मजदूर परिवार ठेकेदार के कब्जे से मुक्त

रायसेन। रायसेन जिले में बंधुआ मजदूरी का मामला सामने आया है। जिला प्रशासन ने मंगलवार रात बमोरी गांव से तीन मजदूर परिवारों को ठेकेदार शहाबुद्दीन खान के कब्जे से मुक्त कराया। । यह कार्रवाई जनसुनवाई में एनजीओ कार्यकर्ता ममता दुबे की शिकायत पर हुई। शिकायत मिलने पर प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। टीम में एसडीएम, कोतवाली थाना प्रभारी और श्रम अधिकारी शामिल थे। मजदूरों के बयान दर्ज किए गए और जांच में तथ्य सही पाए गए।

साढ़े 12 हजार के ई-चालान से चोरों तक पहुंची पुलिस

5 घंटे में 300 KM का सफर तय किया, यूपी पुलिस के साथ मिलकर पकड़ा

जबलपुर ■ निसं

300 किलोमीटर का सफर...5 घंटे तक लगातार पीछा किया...और दो चोरों को पकड़ा। चोर ने बोलेरो सहित लाखों रुपए का माल चुराकर भाग रहे थे। खास बात यह है कि चोरी गई गाड़ी का ई-चालान कट गया और ई-चालान के सहारे पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश पुलिस ने घेराबंदी की और गिरफ्तार लिया। पुलिस ने चोरी की गाड़ी और उसमें रखा लाखों रुपए का माल भी बरामद कर लिया है। गिरफ्त में आए आरोपी हरियाणा और टीकमगढ़ के रहने वाले हैं, जो जबलपुर में अमृत योजना के तहत चल रही पाइप लाइन में काम करने के लिए करीब 18 दिन पहले आए हुए थे।

पाइप जोड़ने का काम मिला था आरोपियों को: अमृत योजना का काम गोकलपुर से रांझी के बीच चल रहा है। यहां एक प्राइवेट कंपनी में 20 से अधिक मजदूर काम कर रहे हैं। हर किसी काम अलग-अलग बंटा हुआ था। आरोपी सरफराज खान और मयंक कुमार दोनों ही अच्छे वेल्डर थे। कंपनी के मैनेजर को जानकारी लगी तो उन्होंने काम पर रख लिया, लेकिन दोनों के विषय में यह पता नहीं किया कि वह कहां रहते हैं। 18 दिन से दोनों चोर साइड पर बेल्डिंग करने का काम कर रहे थे।

गाड़ी मालिक के पास आया ई-चालान का मैसेज

कंपनी के कर्मचारियों ने गोकलपुर से लेकर रांझी तक दोनों को काफी देर तक तलाश किया, लेकिन नहीं मिले तो रांझी थाने में सरफराज और मयंक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि कंपनी की बोलेरो जीप के साथ मशीन भी ले गए हैं। पुलिस ने दोनों का मोबाइल नंबर लेकर कॉल किया तो वह बंद था।

6 दिसंबर को शाम होने के बाद भी जब सरफराज और मयंक बोलेरो लेकर आफिस नहीं आए, तो साथी कर्मचारियों ने दोनों को रांझी में तलाश किया। नहीं मिले तो सुपरवाइजर अभिनव को बताया कि सरफराज और मयंक गायब हैं। उनसे गाड़ी के अलावा आक्सीजन सिलेंडर,वेल्डिंग मशीन, तार सहित लाखों रुपए का माल रखा था।

आरोपियों के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की जा रही थी, इसी बीच रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे गाड़ी मालिक के मोबाइल पर चालान कटने का मैसेज आया। उन्होंने देखा कि उनकी जो गाड़ी चोरी हुई है, उसका यूपी पुलिस ने 6 दिसंबर की रात को टीकमगढ़-ललितपुर रोड पर स्पीड तेज होने के कारण ऑनलाइन साढ़े 12 हजार रुपए का चालान काटा था। जमा ना करने पर मालिक को ई-चालान के जरिए मैसेज भेजा गया।

रात 12 बजे रवाना हुई पुलिस: रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी को जैसे ही सूचना मिली कि चोरी गई गाड़ी का यूपी पुलिस ने चालान काटा है, जिसका मैसेज भी मालिक के पास पहुंचा तो यह समझ में आ गया कि आरोपी टीकमगढ़ के रास्ते ललितपुर तरफ भाग रहे है, तो उन्होंने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी और फिर ललितपुर पुलिस से संपर्क किया। लगातार पांच घंटे तक गाड़ी चलाते हुए सुबह करीब सुबह पांच बजे ललितपुर पहुंचे, जहां दो राज्यों की पुलिस ने घेराबंदी कर ना सिर्फ दोनों चोरों को गिरफ्तार किया।

पकड़ने में मेहनत करनी पड़ी

आरोपियों का नहीं पता मालूम था, और ना ही उनका कोई रिकार्ड था, ऐसे में दोनों चोरों को गिरफ्तार करना पुलिस के लिए चुनौती था। दोनों के मोबाइल लोकेशन के आधार पर सर्चिंग की जा रही थी, पर अधिकतर समय दोनों अपना मोबाइल बंद रखते थे। 6 दिसंबर की रात जब गाड़ी का चालान कटा और अगले दिन मालिक के पास ई-चालान का मैसेज आया तो यूपी पुलिस की मदद से दोनों आरोपियों तक पहुंचा गया। सरफराज खान और मयंक को कोर्ट में पेश करने के बाद रिमांड ली जाएगी।

राजगढ़ में आईसर वाहन से अवैध शराब जब्त

दो आरोपियों को पुलिस ने किया गिफ्तार, घेराबंदी में फंसे

धार ■ निसं

धार जिले की राजगढ़ पुलिस ने अवैध शराब तस्करों पर एक और बड़ी कार्रवाई की। इस बीच लाखों रुपये की विदेशी शराब जब्त की है। मंगलवार 9 दिसंबर को पुलिस टीम को देर शाम मुखबिर से सूचना मिली कि इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर एक आयशर ट्रक भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी की टीम एक्टिव हो गई। मोहनखेड़ा ब्रिज के पास रुक्मणी होटल के समीप हाईवे पर रणनीतिक तरीके से घेराबंदी कर दी गई।

कुछ ही देर बाद संदिग्ध ट्रक हाईवे पर दिखा, जिसे पुलिस ने रोककर ड्राइवर बबलू वरकडे और परिचालक दुर्गेश राजपूत को हिरासत में ले लिया। ट्रक की तलाशी ली गई तो पुलिस भी हैरान रह गई। गोवा कंपनी की अंग्रेजी शराब की 1499 पेटियां ट्रक में लदी मिलीं, जिसकी कुल कीमत 94 लाख 43 हजार 700 रुपए आंकी गई है।

वहीं, आयशर ट्रक की कीमत लगभग 30 से 35 लाख रुपये बताई जा रही है। राजगढ़ पुलिस ने तुरंत ट्रक और शराब को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का मानना है कि यह एक बड़ा नेटवर्क हो सकता है। अब पुलिस इस पूरे रैकेट की जड़ तक पहुँचने के लिए अन्य लिंक और सप्लायरों की भी जांच कर रही है।

यूरिया खाद के लिए परेशान किसानों का फूटा गुस्सा, कलेक्ट्रेट के बाहर लगाया जाम

टीकमगढ़ ■ निसं

टीकमगढ़ जिले में यूरिया खाद की लगातार किल्लत से परेशान किसानों का गुस्सा मंगलवार को उबाल पर आ गया। परेशान किसानों ने कलेक्ट्रेट दफ्तर के सामने झांसी रोड पर जाम लगा दिया, जिससे हाईवे पर कई वाहन घंटों तक फंसे रहे। किसानों का आरोप है कि पिछले एक पखवाड़े से यूरिया खाद की उपलब्धता नहीं हो रही, जिससे रबी फसल बोने में बड़ी दिक्कतें आ रही हैं।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से समझाइश देने की कोशिश की। हालांकि, किसान अपनी मांगों पर अड़े रहे और जल्द से जल्द खाद उपलब्ध कराने की मांग पर जोर देते रहे। उधर, खरगापुर में हालात और बिगड़ गए। यहां मंडी परिसर में किसानों ने उपसंचालक कृषि के चार पहिया वाहन को घेर लिया और गाड़ी के टायरों की हवा निकाल दी। किसानों का कहना था कि जब तक

खाद की सप्लाई सुचारू नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अधिकारियों को किसानों के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ा।

प्रशासनिक अधिकारियों ने जल्द ही खाद आने का भरोसा दिलाकर किसानों को शांत करने की कोशिश की। इसके बाद धीरे-धीरे जाम हटवाया गया और यातायात सामान्य किया गया। लेकिन किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि यूरिया की समस्या जल्द नहीं सुलझी, तो वे और बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

टीकमगढ़ और खरगापुर की यह स्थिति साफ दिखाती है कि जिले में यूरिया संकट ने किसानों की खेती को गहरी प्रभावित किया है और प्रशासन के लिए यह चुनौती दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

बोलेरो वाहन के ड्राइवर को लगी झपकी और पेड़ से जा भिड़ी, तीन लोग घायल, एक गंभीर

शहडोल ■ निसं

शहडोल के ब्यौहारी के टिहकी गांव के पास बुधवार सुबह तकरीबन 7:30 बजे गंभीर दुर्घटना घटी है। जहां एक तेज रफ्तार बोलेरो पेड़ से टकरा गई, जिसमें सवार तीन लोग घायल हुए हैं। एक ही हालत नाजुक बताई जा रही है। वाहन चालक भी घायल हुआ है।

घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया है। चालक को झपकी लग गई, जिसकी वजह से वाहन से चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, और तेज रफ्तार बोलेरो वाहन पेड़ से जा टकराया, घटना में बोलोरो वाहन के परखच्चे उड़ गए हैं।

पुलिस के अनुसार, शहडोल रीवा मार्ग में स्थित टिहकी गांव में यह घटना बुधवार सुबह 7,30 बजे

घटी है। पुलिस ने बताया कि बोलोरो वाहन में तीन लोग सवार थे। जो दुर्ग छत्तीसगढ़ से यूपी की ओर जा रहे थे। तभी वाहन क्रमांक यू पी 82 ए एल 1498 दुर्घटनाग्रस्त हो गया, पुलिस ने आगे कहा कि वाहन चालक को अचानक झपकी लग गई, जिसकी वजह से वाहन से चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे लगे एक पेड़ से वाहन टकरा गया ।जिससे बोलेरो वाहन बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हुआ है। वाहन में सवार तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों के नाम अभी सामने नहीं आ पाए हैं।

घटना में एक व्यक्ति गंभीर घायल हुआ है,स्थानीय लोगों ने घटना को देख मामले की जानकारी ब्यौहारी पुलिस को दी थी, जानकारी लगते ही मौके पर पुलिस पहुंची और वाहन में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकल गया और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल भेजा गया है, एक की हालत काफी नाजुक बनी हुई है।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि यह सभी मेरठ के रहने वाले हैं, और दुर्गा से पास यूपी की ओर जा रहे थे, तभी यह घटना घटी है ।घटना के बाद मौके पर काफी भीड़ इकट्ठा हो गई थी, मौके पर पहुंची पुलिस ने मोर्चा संभाला लिया था ।

उज्जैन में युवक ने सुसाइड करने का बनाया वीडियो

उज्जैन। उज्जैन में एक युवक ने पत्नी के मायके जाने से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया और अपनी जान दे दी। घटना के समय युवक घर में अकेला था और उसकी पत्नी बच्चों को लेकर मायके गई हुई थी। भेरूगढ़ क्षेत्र के श्रीनगर गिट्टी खदान का रहने वाला 25 वर्षीय देवीलाल निनामा ने मंगलवार दोपहर करीब एक बजे यह कदम उठाया। इस दौरान उसने जहरीला पदार्थ खाने का वीडियो बनाया और इसे इंस्टाग्राम और अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट कर दिया। घटना के समय घर में कोई और मौजूद नहीं था। सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर कुछ लोग देवीलाल को देखने उसके घर पहुंचे और उसे चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान मंगलवार रात उसकी मौत हो गई। भेरूगढ़ पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के ससुर रामकिशन ने बताया कि देवीलाल की शादी करीब 8 साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे थे। घटना के समय पत्नी रानी बच्चों को लेकर मायके गई हुई थी। देवीलाल की मौत की खबर सुनकर परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि घर में कोई विशेष परेशानी नहीं थी और पति-पत्नी के बीच किसी प्रकार का विवाद नहीं था। देवीलाल ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें वह जहरीला पदार्थ खाते हुए दिखाई दे रहा था। उसने इसे म्यूजिक नोट के साथ इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप स्टेटस पर पोस्ट किया। वीडियो में बैकग्राउंड आवाज में कहा गया: 'तुम खुश हो ना, तुम जो चाहे वो हो गया। हम एक दूसरे से दूर हो गए। एक बात याद रखना, दुनिया में कितना भी प्यार करने वाला मिल जाए, लेकिन एक दिन तुम मेरे जैसा प्यार पाने के लिए तरस जाओगी।'

ग्वालियर में अवैध बांग्लादेशी, रोहिंग्या नागरिकों पर सख्ती

कलेक्टर ने मकान मालिकों से 15 दिन में मांगी किराएदारों की जानकारी

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों की आशंका के चलते जिला प्रशासन ने सख्ती बरती है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रुचिका चौहान ने भारतीय न्याय संहिता की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

इन आदेशों के अनुसार, सभी मकान मालिकों और विभिन्न संस्थानों को अपने किराएदारों और कर्मचारियों की विस्तृत जानकारी संबंधित पुलिस थाने में 15 दिनों के भीतर दस्तावेजों के साथ जमा करनी होगी। ऐसा न करने पर

उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, ग्वालियर पुलिस अधीक्षक ने अपने प्रतिवेदन में गृह मंत्रालय/विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के निवास संबंधी दिशा-निर्देशों का हवाला दिया था। जिले में 9 बांग्लादेशी नागरिक पाए जाने के बाद प्रशासन और पुलिस सतर्क हो गए हैं।

पुलिस अधीक्षक ने आशंका व्यक्त की है कि कई संदिग्ध व्यक्तियों ने अपनी पहचान बदल ली है और वे किराए के मकानों में या विभिन्न संस्थानों में काम कर रहे हैं। इन व्यक्तियों की अवैध गतिविधियों में संलिप्तता से आंतरिक सुरक्षा को खतरा हो सकता है। इसी खतरे के मद्देनजर, सभी मकान मालिकों को अपने किराएदारों की पहचान पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ पूरी जानकारी थाने में देनी अनिवार्य है।

कलेक्टर द्वारा जारी यह आदेश इसकी जारी होने की तिथि से दो माह की अवधि तक प्रभावी रहेगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इसका उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 और अन्य दंडात्मक प्रावधानों के तहत दंडनीय होगा। यह पहल ग्वालियर में बाहरी और संदिग्ध तत्वों पर निगरानी रखने तथा शहर की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई है।

दुकानदार के साथ सड़क पर खुलेआम मारपीट

उधार सिगरेट नहीं देने पर विवाद, लाठी-डंडों से पीटा

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें कुछ युवक एक व्यक्ति को सड़क पर लेटा कर बेरहमी से डंडों से पीटते दिखाई दे रहे हैं। हमलावर पीटते समय हंस भी रहे हैं। यह घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे इकोना तिराहा, बेहट की बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, पिटने वाला व्यक्ति दुकानदार है। आरोपी उससे उधार में सिगरेट मांग रहे थे। दुकानदार द्वारा उधार देने से मना करने पर आरोपियों ने उसे अधमरा होने तक पीटा। पीड़ित ने घटना की शिकायत बेहट थाना में की, जिसके बाद पुलिस ने एक नामजद समेत चार हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

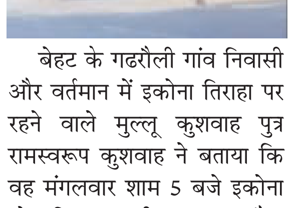

बेहट के गढरौली गांव निवासी और वर्तमान में इकोना तिराहा पर रहने वाले मुल्लू कुशवाह पुत्र रामस्वरूप कुशवाह ने बताया कि वह मंगलवार शाम 5 बजे इकोना मोड़ स्थित अपनी दुकान पर बैठा था। तभी बेहट गांव के गुटाली पंडित का लड़का राहुल शुक्ला दुकान पर आया। उसने उधार सिगरेट मांगी, लेकिन दुकानदार ने उधार देने से इनकार कर दिया। इस पर राहुल शुक्ला गालियां देने लगा और मारपीट शुरू कर दी।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में 'लोक निर्माण से लोक कल्याण' नवम्बर-2025 के न्यूज-लेटर और 'लोकपथ इनफार्मेशन ब्रोशर' का विमोचन किया।

जगदीशपुर नाम बदलने के प्रयास पर उबाल, हिंदू उत्सव समिति का विरोध

बोर्डों पर पुनः लगाया गया 'जगदीशपुर पर्यटन स्थल' का फ्लेक्स

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि लांबाखेड़ा जगदीशपुर मार्ग पर लगे कई संकेतक बोर्डों पर जगदीशपुर की जगह इस्लाम नगर लिखे जाने और मस्जिद के समीप स्थित किलोमीटर बोर्ड के क्षतिग्रस्त पाए जाने की घटना ने स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। मंगलवार को बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी ने मौके पर पहुंचकर इस कृत्य के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

घटना स्थल पर पहुंचे हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, देवलखेड़ी सरपंच अजय सैनी, राजेश शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कहा कि क्षेत्र के ऐतिहासिक और मूल नाम से छेड़छाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। यह केवल नाम बदलने का मुद्दा नहीं, बल्कि जनभावनाओं से खिलवाड़ है।

चंद्रशेखर तिवारी ने ने संबंधित विभागों से मांग की कि सभी बोर्डों को मूल नाम 'जगदीशपुर' में तत्काल बहाल किया जाए। क्षतिग्रस्त किलोमीटर मीटर बोर्ड की मरम्मत की जाए। और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

विरोध के बीच कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही बोर्ड पर 'जगदीशपुर पर्यटन स्थल' का नया फ्लेक्स लगाकर अपना रोष और स्पष्ट संदेश दर्ज किया। इधर स्थानीय प्रशासन ने आश्वस्त किया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। घटना के बाद से क्षेत्र में नाम बदलने की कोशिशों को लेकर गहमागहमी बनी हुई है, और स्थानीय लोग प्रशासन से त्वरित एवं ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला एडीएम अंकुर मेश्राम, प्रकाश नायक ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 113 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। एडीएम श्री मेश्राम, श्री नायक ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सातवीं के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में बीती दोपहर सातवीं कक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार खटीकपुरा निवासी अयान पुत्र अरमान (15) कक्षा सातवीं का छात्र था। बीते दिन दोपहर के समय वह घर पर अकेला था। इसी दौरान, उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बाद में परिवार वालो को हादसे की जानकारी लगी इसके बाद मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन के बाद मामला कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। जॉच टीम ने बताया की कमरे की तलाशी लेने के दोरान फिलहाल पुलिस को ऐसा कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है। आगे की जॉच में पुलिस मृतक छात्र के परिजनों के बयान दर्ज करेगी, जिसके बाद ही सही कारण साफ हो सकेगा, उसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की दिशा तय की जायेगी। उधर खजूरी सड़क पुलिस ने बताया कि इंद्रा आवास में रहने वाली पान बाई पति नारायण (40) बीती शाम करीब 7 बजे महिला की लाश ग्राम तूमड़ा में स्थित खेत में बने कुएं में मिली है। शुरुआती जॉच में परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार थी। पुलिस इस बात की जॉच कर रही है, वह कुंए में कैसे गिरी। फिलहाल मर्ग् कायम कर पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रतिमा बागरी के बंगले का किया घेराव

भोपाल। गांजे की तस्करी के मामले में अपने गिरफ्तार भाई अनिल बागरी को लेकर भाजपा की नगरीय विकास एवं आवास मंत्री प्रतिमा बागरी ने तो तटस्थ रुख अपना लिया है। लेकिन इस मामले को लेकर राजनैतिक घमासान जारी है। इसी कड़ी में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल में मंत्री प्रतिमा बागरी के बंगले का घेराव किया। कार्यकर्ताओ ने जमकर नारेबाजी करते हुए मंत्री बागरी को नशे की सौदागर बताया। जिला अध्यक्ष अमित खत्री के नेतृत्व में मंगलवार को किये गये प्रदर्शन के दौरान कॉग्रेस कार्यकर्ताओ ने पुलिस बैरिकेडिंग तोड़कर बंगले के अंदर घुसने की कोशिश की। गुस्साये कार्यकर्ताओ ने मंत्री की नेम प्लेट पर कालिख पोती। इस दौरान कार्यकर्ताओ की पुलिस से तीखी बहस भी हुई, और मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। वहीं अजय खत्री ने कहा की मोहन सरकार में मध्य प्रदेश में नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। प्रतिमा बागरी के करीबी रिश्तेदार खुलेआम नशे का कारोबार कर रहे हैं। हम मांग करते हैं, कि तत्काल प्रतिमा बागरी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए, नहीं तो हम मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में केबिनेट की बैठक में बुंदेलखंड के विकास पर विशेष फोकस

सागर से दमोह 76 किमी फोरलेन मार्ग निर्माण के लिए 2059 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति

- दमोह के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ से अधिक की झापन नाला मध्यम सिंचाई परियोजना को स्वीकृति
- प्रदेश के 11 जिलों में 12 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन और 348 पदों की स्वीकृति
- प्रदेश में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 397.54 करोड़ रुपये की स्वीकृति
- पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को 2वर्ष में रोजगार के लिए जापान और जर्मनी भेजने का निर्णय

दमोह, छतरपुर और बुधनी मेडिकल कॉलेज के लिए नियमित और आउट सोर्स पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दमोह, छतरपुर और बुधनी के संचालन के लिए 990 नियमित और 615 आउट सोर्स पदों की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में 330 नियमित पद सृजन और 205 व्यक्तियों को आउट सोर्स पर नियोजित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

11 जिलों में 12 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन और 348 पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने 11 जिलों की 12 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। निर्णय अनुसार नीमच जिले के भादवामाता उप स्वास्थ्य केंद्र को 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन किया जाएगा। शाजापुर के मक्सी स्थित 6 बिस्तरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में किया जाएगा। इसी प्रकार उज्जैन के जीवाजीगंज और खंडवा के ओंकारेश्वर स्थित 20 बिस्तरीय सिविल अस्पतालों का विस्तार कर उन्हें 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल बनाया जाएगा।

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास और रोजगार संपन्न बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सड़कों के निर्माण सहित नौरादेही अभ्यारण्य में चीता के रहवास के लिए विकास कार्यों को स्वीकृति जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने बुंदेलखंड के विकास पर केंद्रित विकास के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। बैठक में छतरपुर और दमोह के मेडिकल कालेजों में पदों की स्वीकृति सहित शासकीय चिकित्सालयों के उन्नयन और नवीन पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई।

मंत्रि-परिषद ने बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सागर के औद्योगिक क्षेत्र 'मसवासी ग्रंट' के लिए एक विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी। इस पैकेज की मदद से एक निवेशक- हितैषी वातावरण तैयार होगा, जिससे यहां 24 हजार 240 करोड़ रूपये के निवेश के रास्ते खुलेंगे। यह प्रयास सीधे तौर पर 29 हजार से अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान कर आर्थिक उन्नयन का नया मार्ग खोलेगा। स्वीकृति अनुसार भूमि प्रब्याजी और वार्षिक भू-भाटक की दर केवल एक रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, विकास शुल्क चुकाने के लिए 20 समान वार्षिक किश्तों की सुविधा दी गई है और संधारण शुल्क 8 रुपये प्रति वर्गमीटर वार्षिक तय किया गया है।

निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में 100% प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, इकाइयों को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्षों तक विद्युत शुल्क में छूट दी गई है।

वित्तीय सहायता पैकेज के तहत वृहद श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों पर उद्योग संवर्धन नीति 2025 और निवेश प्रोत्साहन योजना 2025 के नियम लागू होंगे, जबकि एमएसएमई (MSME) इकाइयों के लिए एमएसएमई विकास नीति-2025 और एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 के प्रावधान प्रभावी होंगे। सीमेंट निर्माण इकाइयों को इस विशेष वित्तीय सहायता पैकेज का लाभ नहीं मिलेगा। यह विशेष पैकेज आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावशील रहेगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा सागर-दमोह मार्ग, लंबाई 76.680 किमी फोरलेन मय पेव्हड शोल्डर के साथ हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण के लिए परियोजना वित्तीय लागत 2,059 करोड़ 85 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई।

मात्र 5 दिन में शिकारा का 3000 लोगों ने लिया आनंद

शिकारा पर्यटन को मिल रहा सैलानियों का जबरदस्त प्यार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

शहर की बडी झील में कश्मीर की डल झील की तर्ज पर शुरू किए गए शिकारा पर्यटन को शहरवासियों और बाहर से आने वाले सैलानियों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। भोपाल का बड़ा तालाब इस दिनों पर्यटन के नए रंग में नजर आ रहा है। मात्र 5 दिनों में ही 3000 से अधिक लोग शिकारा सहित अन्य बोटिंग सुविधाओं का आनंद ले चुके हैं, जिससे बड़ा तालाब एक बार फिर शहर की पहचान बनता दिख रहा है। 4 दिसंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शुभारंभ किए गए 20 शिकारों ने पर्यटन गतिविधियों में नई ऊर्जा भर दी है। खास बात यह है कि भोपाल के अलावा अन्य शहरों से भी पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। रायपुर से आई पर्यटक सीमा मौर्य ने कहा कि उन्होंने शिकारा शुरू होने की खबर सुनी थी, इसलिए विशेष तौर पर इसका आनंद लेने आई। आमतौर पर बोटिंग से डर लगने की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि शिकारे में उन्हें बिल्कुल डर नहीं लगा और अनुभव बेहद शानदार रहा। एनजीटी की रोक के चलते बड़े तालाब में पिछले करीब 10 महीनों से मोटर बोट और क्रूज बंद हैं। ऐसे में बिना शोर और प्रदूषण के चलने वाले शिकारे पर्यावरण के अनुकूल विकल्प बनकर सामने आए हैं। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिला है, बल्कि तालाब की शांति और प्राकृतिक सुंदरता भी बनी हुई है। भोपाल नगर निगम द्वारा जून 2024 में किए गए ट्रायल के सकारात्मक नतीजों के बाद यह पहल शुरू की गई है। पर्यटन से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह सुविधाओं का विस्तार किया गया, तो बड़ा तालाब आने वाले दिनों में भोपाल को देश के प्रमुख लेक टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल कर सकता है। शिकारा बोट (20 मिनट 6 व्यक्ति) 450, शिकारा बोट (20 मिनट 4 व्यक्ति) 300, पैडल बोट (30 मिनट 4 व्यक्ति) 200 और वॉटर साइकिल (20 मिनट 1 व्यक्ति) 100 रुपए का भुगतान करना पड रहा है।

मप्र में बढ सकते हैं बिजली के दाम, कंपनी ने रखा बढ़ोतरी का प्रस्ताव

कंपनी पर प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्ति के लिए होगी जनसुनवाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश की पावर जनरेशन कंपनी ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के समक्ष बिजली दरों में 10 प्रतिशत तक इजाफे का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्तियां लेने के लिए जन सुनवाई आयोजित करने की तैयारी चल रही है। जन सुनवाई के दौरान नियामक आयोग आम जनता और हितधारकों की आपत्तियाँ सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय देगा। फिलहाल प्रस्ताव ने उपभोक्ताओं में नए साल के बिलों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नियामक आयोग मुख्यालय में दायर याचिका में कंपनी ने दावा किया कि लगातार बढ़ रहे लाइन लॉस और वित्तीय दबाव के कारण दरों में संशोधन आवश्यक हो गया है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रस्तावित बढ़ोतरी की सीमा 10प्रतिशत तक हो सकती है, हालांकि

अंतिम निर्णय जन सुनवाई के बाद ही होगा। आयोग के सूत्रों का कहना है कि कंपनी के प्रस्ताव पर प्रारंभिक अध्ययन के बाद आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। पहली सुनवाई 15 दिसंबर को होने की संभावना है, हालांकि आयोग की ओर से इसका औपचारिक कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्ताव प्राप्त होने के बाद प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इस साल अप्रैल से ही उपभोक्ता पहले से बढ़े हुए टैरिफ का भुगतान कर रहे हैं। बीते वित्तीय वर्ष में कंपनियों ने 7.52प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग की थी, लेकिन आयोग ने केवल 3.46प्रतिशत वृद्धि की मंजूरी दी थी। यही कारण है कि घरेलू, गैर-घरेलू और कृषि श्रेणियों में प्रति यूनिट दरें कुछ पैसों की वृद्धि के साथ लागू हुईं और फिक्स चार्ज भी बढ़ाए गए। पिछले दो वर्ष 2024 में लोकसभा और 2023 में विधानसभा चुनाव हुए, जिसके चलते आयोग ने दर बढ़ोतरी पर सख्ती दिखाई थी। 2024 में 3.86 प्रतिशत बढ़ोतरी की मांग के मुकाबले मात्र 0.7प्रतिशत और 2023 में 3.20प्रतिशत की तुलना में केवल 1.65प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी मिली थी। प्रदेश में सहकारिता चुनाव भी प्रस्तावित हैं, ऐसे में राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए आयोग बड़ी राहत देने की संभावना कम लग रही है।

एसआईआर जांच रिपोर्ट में खुलासा

35 दिनों में 8.13 लाख मृत मतदाता चिह्नित, 10.37 लाख नाम काटने की तैयारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची फ्रीज किए जाने के बाद चल रही एसआईआर जांच में अपडेट सामने आया है। पिछले 35 दिनों में 8 लाख 13 हजार से अधिक मतदाता मृत पाए गए हैं, जिनके नाम 16 दिसंबर को जारी होने वाली प्रारूप मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। इसके अलावा 2 लाख 43 हजार 603 मतदाताओं के नाम अलग-अलग सूचियों में डबल मिले हैं, जिन्हें एक सूची में रखकर अन्य से हटाया जाएगा। इस तरह अब तक की प्रक्रिया में कुल 10 लाख 37 हजार 137 नाम काटने की स्थिति बन गई है। हालांकि यह संख्या अभी बढ़ या घट सकती है।

फार्म नहीं भरा तो कट सकता है वोट

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं को एसआईआर फार्म मिला है, उन्हें 2003 की एसआईआर के आधार पर परिजनों/खुद की जानकारी देना अनिवार्य है। यदि कोई मतदाता बीएलओ के लगातार प्रयासों के बाद भी फार्म जमा नहीं करता, तो उसका नाम भी 16 दिसंबर की सूची से हटाया जा सकता है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आरपीएस जादौन ने अपील की है कि सभी मतदाता समय रहते फार्म जमा करें, ताकि नाम कटने की स्थिति से बचा जा सके।

चुनाव आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सभी जिलों में एसआईआर प्रक्रिया तेजी से करवा रहा है और दिन में तीन बार कलेक्टरों से रिपोर्ट ले रहा है। 27 अक्टूबर को वोटर लिस्ट फ्रीज होने के बाद 4 नवंबर से एसआईआर का कार्य शुरू हुआ था, जिसका प्रारूप परिणाम 16 दिसंबर को प्रकाशित होगा। अभी शिफ्टेड मतदाताओं की सूची प्राप्त नहीं हुई है, जो प्रकाशन से पहले स्पष्ट की जाएगी।

निगम ने की शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

ठेले, टेबिल, बोर्ड, बेंच, टेडीबियर आदि किए जप्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों एवं अवैध निर्माणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों, फुटपाथों आदि पर अतिक्रमण कर लगाई गई सब्जी, टेडीवियर व अन्य प्रकार के सामान की दुकानें, ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, बोर्ड आदि को हटाया तथा ठेले, टेबिल, बोर्ड, फ्रेम, स्टूल, मुर्गे का पिंजरा, टेडीबियर आदि जप्त किए।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को कोलार डी मार्ट, खाटू श्याम मंदिर, आलोक धाम, सौम्या कालोनी, दानिश चैराहा, जवाहर चैक, सरस्वती नगर, लिंक रोड नंबर-01, 10 नंबर बस स्टाप, आकृति ईको सिटी, पुरानी सब्जी मण्डी, चैक बाजार, लखेरापुरा, हमीदिया रोड, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-06, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-01, अशोका गार्डन, परिहार चैराहा, मण्डी, जे.के. रोड, रायसेन रोड, अप्सरा टाकीज, बैरागढ़ चंचल चैराहा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए अशोका गार्डन क्षेत्र में नाले के ऊपर अवैध रूप से बनाया गया लोहे का जीना, कोलार दानिश चैराहा क्षेत्र से 01 गन्ने की गाड़ी सहित अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर व सब्जी, टेडीबियर की दुकानें व दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया। निगम अमले ने उक्त कार्यवाही के दौरान 09 ठेले, 01 कुर्सी, 04 टेबिल, 03 बेंच, 01 स्टूल, 09 स्टेण्ड बोर्ड, बोर्ड फ्रेम, 03 बोरे टेडीबियर, 01 मुर्गे का पिंजरा आदि जप्त किए।

नशे में धुत्त सुरक्षा गार्ड ने महिला सहित उसके दो बेटों पर किया जानलेवा हमला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नये शहर के कोलार थाना इलाके में स्थित प्रियंका नगर में सोमवार देर रात उस समय हंगामा मच गया जब नशे में हालत में मल्टी का सुरक्षा गार्ड एक महिला और उसके दो बेटों पर जानलेवा हमला करते हुए कुल्हाड़ी लेकर उनके फ्लैट तक जा पहुंचा। आरोपी गार्ड ने फ्लैट के दरवाजे पर वार कर उसमें छेद कर दिया इतना ही नहीं उसने खिड़कियों के शीशे सहित पार्किंग में खड़ी तीन कारों के कांच भी फोड़ डाले। आधी रात को हुई घटना से

मल्टी में हड़कंप मच गया सुरक्षा गार्ड की हरकते देख कई परिवार वाले अपने घरों में बाहर ही नहीं निकले वहीं आसपास के फ्लैट वालो ने अपने दरवाजे बंद कर भीतर ही छिप कर रहे। जानकारी के अनुसार घटना की शिकायत करते हुए कंचन ठारवानी (57) ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े दस बजे सुरक्षा गार्ड विकास शराब के नशे में गाली-गलौच करते चिल्लाचोट कर रहा था। काफी देर तक गालियों की आवाजे आने पर जब महिला और उसके दोनो बेटों राहुल और मानव ने उसे समझाईश देते हुए हंगामा न करने को कहा तब वह उन पर ही भड़क गया। आरोपी ने पेंचकस से दोनों के साथ हाथ-मुक्को से मारपीट करने के साथ ही पेचकस से उनके चेहरे और हाथ पर वार कर घायल कर दिया।

अनमोल वचन

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
रविन्द्रनाथ टैगोर

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय?
कबीर

सम्पादकीय

75 साल बाद संसद में वंदे मातरम की राजनीति?

नई पीढ़ी जानेगी वंदे मातरम का इतिहास, मां किसी से भेदभाव नहीं करती स्वतंत्र भारत की संसद में 75 वर्षों के बाद 'वंदे मातरम' पर हुई चर्चा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक प्रयास के रूप में शुरू हुई। वंदे मातरम की यह चर्चा एक गीत या नारे तक सीमित नहीं रही। यह बहस प.बंगाल के चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण, उसकी सांस्कृतिक चेतना और एकता के भाव को समझने का अवसर भी बन गई। संसद में सभी राजनीतिक दलों और सभी सांसदों ने एकजुट होकर वंदे मातरम के पक्ष में बढ़-चढ़कर अपने विचार व्यक्त किये।वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है। बल्कि वह स्वर है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्योति जगाई थी। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके बोल हर किसी को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।संसद में इस विषय पर हुई चर्चा का सबसे बड़ा महत्व यह है, नई पीढ़ी को वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में व्यस्त है। ऐसे विषय पर संसद में जो सार्थक बहस हुई है। वर्तमान पीढ़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर तरीके से स्वतंत्रता के इतिहास और वर्तमान में प.बंगाल के चुनाव में इस नारे का क्या महत्व है। यह जानने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी यह जान सकेगी राष्ट्र की पहचान केवल वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके गौरवपूर्ण अतीत से भी बनती है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को इस नारे ने विफल कर दिया था। धर्म, भाषा, प्रांत, गरीब और अमीर सब इस नारे से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। संसद में बहस के दौरान यह बात भी उभरकर सामने आई।'मां' किसी से भेदभाव नहीं करती है। वंदे मातरम में जिस मां की वंदना की गई है। वह भारत माता है।जो अपने सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से देखती है। चाहे वह किसी भी भाषा, धर्म, जाति या किसी भी क्षेत्र से हो। यह गीत किसी एक वर्ग, समुदाय या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का है। वंदे मातरम को संकीर्ण नजरिये से देखना ना केवल इसके भाव को सीमित करता है। बल्कि राष्ट्रीय एकता अखंडता और भारतीय संस्कृति को भी चोट पहुंचाता है। हाल के वर्षों में वंदे मातरम को लेकर समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े होते रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे विवाद का विषय बना रहे हैं। संसद में जिस तरह से सभी राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वंदे मातरम के इस नारे ने स्वतंत्रता की जो लो आम जनमानस के बीच में जगाई थी। सबने बढ़ चढ़कर इस नारे के औचित्य को समझाया।संसद में हुई बहस ने यह स्पष्ट किया, देशभक्ति किसी पर थोपी नहीं जा सकती है, अभिव्यक्ति के माध्यम अलग-अलग भी हो सकते हैं। यह दिल से उपजने वाली भावना है। वंदे मातरम का सम्मान करना और उसके भाव को समझना सभी नागरिक अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ना नहीं चाहता है। हां अभिव्यक्ति के तरीके जरूर अलग-अलग हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले इसे विवाद का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत इस बात की है, हम वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीति से ऊपर उठकर देखें। यह गीत सारे भारत को एक साथ जोड़ता है। इसका एक-एक शब्द सारे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में हुई बहस नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका, संघर्ष और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने में संसद की यह चर्चा सार्थक साबित होगी। वंदे मातरम के नारे का जन्म पश्चिम बंगाल से हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में इसके नारे देश के सभी प्रांतों मे गूंजे। दुनिया में सैकड़ो रामायण विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हुई हैं। सब में अलग-अलग तरीके से राम का वर्णन किया गया है। ठीक उसी तरह स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में वंदे मातरम गीत को प्रत्येक भाषा में अलग-अलग तरह से इसे विभिन्न बोल और विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग संगीत की धुन में गाया गया है। वंदे मातरम में प्रत्येक गीत और संगीत में एक सा भाव है। वंदे मातरम के इस नारे से हमने स्वतंत्रता पाई है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया। जैसे ही इस नारे ने भारत को एकजुट किया। अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा। संसद में वंदे मातरम विषय पर जो बहस हुई है। प्रत्येक सांसद ने वंदे मातरम के पक्ष में बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। वंदे मातरम को लेकर जो राजनीति पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के तारतम्य में प्रयास किया जा रहा है। उसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह तो भविष्य ही तय करेगा। संसद में जिस तरह से सांसदों ने वंदे मातरम को लेकर ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत किए हैं। संसद में हुई बहस ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन और वंदे मातरम के महत्व को समझाने में जरुर मदद की है। प. बंगाल में धार्मिक ध्रुवीकरण का जो प्रयास वंदे मातरम के माध्यम से करने के प्रयास को कितनी सफलता मिलेगी? यह कहना मुश्किल है।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात् प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ऐसी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

मोहन के विरासत से विकास मंत्र से अब बुंदेलखंड को मिलेगी नई रफ्तार

हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद संभालते ही प्रदेश के हर क्षेत्र को समान रूप से विकसित करने का संकल्प लिया है। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही बुंदेलखंड को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा। बुंदेलखंड क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षा और पिछड़ेपन का दंश झेलता आ रहा था, अब मोहन के नेतृत्व में एक नई उड़ान भरने को तैयार है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब से प्रदेश की कमान संभाली है, तब से उनकी कार्यशैली और दूरदर्शिता ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। जल की कमी, खराब सड़कें और औद्योगिक पिछड़ापन दशकों से बुंदेलखंड की सबसे बड़ी त्रासदी रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद संभालते ही प्रदेश के हर क्षेत्र को समान रूप से विकसित करने का संकल्प लिया है। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही बुंदेलखंड को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा। बुंदेलखंड क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षा और पिछड़ेपन का दंश झेलता आ रहा था, अब मोहन के नेतृत्व में एक नई उड़ान भरने को तैयार है।

बुंदेलखंड की सबसे बड़ी समस्या जल संकट रहा है। इसे प्राथमिकता देते हुए मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी है। एक तरफ केन-बेतवा लिंक परियोजना को अभी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है वहीँ दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह और सागर जिलों में कई सिंचाई योजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार नदियों और तालाबों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण भी तेज हुआ है। पिछले दो वर्षों में सरकार ने न केवल केंद्रीय योजनाओं को गति दी, बल्कि राज्य स्तर पर अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। 2024 में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना सरीखी राष्ट्रीय परियोजना को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र और राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित कर तेजी से आगे बढ़ाया है। इस परियोजना से बुंदेलखंड के 13 जिलों में 10.62 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। आने वाले दिनों में नर्मदा-सोनार लिंक परियोजना भी बुंदेलखंड के लिए वरदान साबित होगी जिससे यहाँ का जलसंकट हमेशा के लिए दूर हो जाएगा। सोनार नदी को नर्मदा से जोड़ने का सर्वे जल्द शुरू होगा। इससे बुंदेलखंड की सूखी नदियां कभी न सूखेंगी और क्षेत्र की धरती पहले से कहीं अधिक उपजाऊ बनेगी। इसी तरह से पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना और ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना भी बुंदेलखंड के पानी के संकट को समाप्त कर देंगी। महाराष्ट्र के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं जिससे बुंदेलखंड के समूचे अंचल में पेयजल और सिंचाई की समस्या हल हो जाएगी।

बुंदेलखंड की भौगोलिक स्थिति ऐसी रही है कि यहां पहुंचना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका कायाकल्प करने की ठानी दशकों से सूखा और पिछड़ापन इस क्षेत्र की पहचान बने थे अब इस क्षेत्र में पिछले डेढ़ वर्षों में सड़क, रेल और हवाई संपर्क ने अभूतपूर्व विकास किया है। ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड को कनेक्टिविटी की नई गति दी है। सागर-दमोह-कटनी-लखनादौन को जोड़ने वाली चार लेन सड़क परियोजना को मंजूरी हो या टीकमगढ़ से सागर तक नई रेल लाइन और छतरपुर-टीकमगढ़-झांसी रेल लाइन का विस्तार कनेक्टिविटी में अब बुंदेलखंड किसी भी तरह से पीछे नहीं है। खजुराहो,दतिया सागर और ग्वालियर एयरपोर्ट के उन्नयन और नए हवाई अड्डों की कार्ययोजना ने बुंदेलखंड की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया है। डेढ़ दशक से रुके प्रोजेक्ट अब रिकॉर्ड समय में पूरे हो रहे हैं। बुंदेलखंड की कनेक्टिविटी बेहतर होने से यहाँ पर्यटन, उद्योग और रोज़गार के नए द्वार खुल रहे हैं। बेहतर कनेक्टिविटी होने से यहाँ पर अब परियोजनाएं न केवल आवागमन को आसान बनाएंगी, बल्कि पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा देंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प ने बुन्देलखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस और पीजी मेडिकल सीटों की संख्या में वृद्धि से लेकर तकनीकी रूप से उक्त स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तक राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एक तरह जहाँ पन्ना, दमोह और टीकमगढ़ में नए मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं वहीँ सागर में कैंसर हॉस्पिटल की घोषणा के साथ ही हर जिले में उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना जैसे कदम बुंदेलखंड के युवाओं को को घर के पास ही अच्छी शिक्षा और इलाज की सुविधा देंगे।प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के मिशन के साथ कदम से कदम मिलाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुंदेलखंड को शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए जो कार्य कर रहे हैं, वे आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड की सूरत को बदलकर रख देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुंदेलखंड को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किया जा चुका है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना और निवेशकों को आकर्षित करना इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य था। इस कॉन्क्लेव में लगभग 23,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए और 27,800 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए। डिफेंस कॉरिडोर के तहत टीकमगढ़ और झांसी में कई बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य प्रगति पर है वहीँ खजुराहो, ओरछा, पन्ना टाइगर रिजर्व और चंदेरी के पर्यटन सर्किट को विश्वस्तरीय बनाने की कार्ययोजना पर राज्य सरकार काम कर रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े प्रोजेक्ट से यह क्षेत्र दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़ेगा जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और पलायन की समस्या कम होगी।

विरासत से विकास के अपने मिशन और सांस्कृतिक धरोहरों को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 8 - 9 दिसंबर को खजुराहो में आयोजित होगी। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में विख्यात खजुराहो की प्राचीन मंदिर वास्तुकला और चंदेल राजवंश की अमर विरासत के बीच होने वाली यह बैठक न केवल प्रशासनिक समीक्षा का मंच बनेगी, बल्कि विरासत से विकास के संकल्प को मजबूत करने का प्रतीकात्मक संदेश भी देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत भी और विकास भी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में यह कदम मध्य प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व की बैठकों में बार-बार जोर दिया है कि राज्य का विकास प्राचीन गौरव को नष्ट किए बिना ही संभव है। पचमढ़ी और इंदौर जैसी पिछली कैबिनेट बैठकों की तर्ज पर खजुराहो में भी सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के संयोजन पर विशेष फोकस होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए और स्थानीय कारीगरों के लिए कौशल विकास योजनाओं पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक दक्षता को परखेगा, बल्कि मध्य प्रदेश को विरासत से विकास की मिसाल के रूप में स्थापित करेगा।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बुंदेलखंड के प्रति विशेष लगाव और संवेदनशीलता साफ दिखाई देती है। वे स्वयं अधिकारियों को समय-सीमा में इस इलाके की कई परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरगामी सोच और त्वरित निर्णय लेने की शैली ने यह विश्वास जगाया है कि अब बुंदेलखंड पिछड़ापन का पर्याय नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह क्षेत्र न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए विकास का नया मॉडल बनेगा।

मानवाधिकार: वैश्विक मानचित्र पर स्याह धब्बे और उम्मीद की किरणें

दिलीप कुमार पाठक

मानव अधिकारों को लेकर आज का दिन काफ़ी अहम हो जाता है क्योंकि 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। साल 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर की को विश्व मानवाधिकार दिवस तय किया। 65 वर्ष से पहले हुआ पारित विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है।

शांति केवल वहीं कायम रह सकती है जहां मानवाधिकारों का सम्मान किया जाता है, जहां लोगों को भोजन मिलता है, और जहां व्यक्ति और राष्ट्र स्वतंत्र हैं - दलाई लामा दुनिया में मानवाधिकारों की स्थिति चिंताजनक है, जहाँ आधुनिक दासता, संघर्षों में उल्लंघन, अभिव्यक्ति पर रोक और भेदभाव जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद ताइवान में यौन उत्पीड़न कानून और बुयुकाडा मानवाधिकार रक्षकों की रिहाई जैसी कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं, जिससे पता चलता है कि मानवाधिकारों के लिए वैश्विक स्तर पर जागरूकता और संघर्ष जारी है द्य दुनिया के कई हिस्सों में सरकारों द्वारा असहमति की आवाजों को दबाने और नागरिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने के मामले बढ़े हैं। नस्ल, रंग, लिंग, जातीयता, धर्म, या अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव अभी भी व्यापक रूप से मौजूद है, जिससे कमजोर आबादी प्रभावित हो रही है।

मानव अधिकारों को लेकर आज का दिन काफ़ी अहम हो जाता है क्योंकि 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। साल 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर की को विश्व मानवाधिकार दिवस तय किया। 65 वर्ष से पहले हुआ पारित विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। मानवाधिकार का मतलब किसी भी इंसान की ज़िंदगी, आज़ादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है द्य भारतीय संविधान इस अधिकार की न सिर्फ़ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को कानून सजा भी देता है ।मानव अधिकारों के बारे में जानना ज़रूरी हो जाता है जैसे -हर इंसान को जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान का अधिकार है। भारत में 28?सितंबर?1993 को मानव अधिकार अधिनियम लागू हुआ। 12?अक्टूबर?1993 को सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग बनाया। इस आयोग का काम नागरिक-राजनीतिक अधिकारों के साथ-साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की देख-रेख करना है। इसमें बाल-मज़दूरी, एचआईवी/एड्स, स्वास्थ्य, भोजन, बाल-विवाह, महिला अधिकार, हिरासत में मौत, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार आदि शामिल हैं। इन सभी अधिकारों को बचाना और उनका सम्मान सुनिश्चित करना आयोग का मुख्य लक्ष्य है।

हर इंसान को शिक्षा, स्वास्थ्य, काम, घर, संस्कृति, खाना और मनोरंजन जैसी बुनियादी चीज़ों का अधिकार है-इन्हें ही विश्व मानवाधिकार घोषणा में बताया गया है। लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में बहुत गरीबी है, और यही गरीबी बहुत सारे लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों से दूर रखती है। इन जगहों पर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की ज़रूरतें अक्सर पूरी नहीं हो पातीं। साथ ही, नस्लवाद और जाति-भेद भी मानवाधिकारों की रक्षा में बड़ी रुकावट बनते हैं। सरल शब्दों में: गरीबी और भेदभाव लोगों को उनका हक नहीं मिलने देते।

मानव के जन्म लेने के साथ ही उसके अस्तित्व को बनाये रखने के लिए कुछ अधिकार उसको स्वत: मिल जाते हैं और वह उनका जन्मसिद्ध अधिकार होता है। इस दुनिया में प्रत्येक मनुष्य के लिए अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अधिकार एक मनुष्य होने के नाते प्राप्त हो जाता है। चाहे वह अपने हक के लिए बोलना भी जानता हो या नहीं। एक नवजात शिशु को दूध पाने का अधिकार होता है और तब वह बोलना भी नहीं जानता। लेकिन माँ उसको स्वयं देती है और अगर नहीं देती है तो उसके घरवाले, डॉक्टर सभी उसको इसके लिए कहते हैं, क्योंकि ये उस बच्चे का हक है और ये उसे मिलना ही चाहिए। एक बच्चे के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए ये ज़रूरत सबसे अहम होती है। लेकिन उसके बड़े होने के साथ-साथ उसके अधिकार भी बढ़ने लगते हैं। बच्चे के पढ़ने-लिखने और अपनी परवरिश आदि के लिए उसको समुचित सुविधाएँ और वातावरण देना भी ज़रूरी अधिकारों में आता है। उन्हें आत्म-सम्मान के साथ जीने के लिए, अपने विकास के लिए और आगे बढ़ने के लिए कुछ हालात ऐसे चाहिए, जिससे की उनके रास्ते में कोई व्यवधान न आये। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, इस दिशा में आयोग के अतिरिक्त कई एनजीओ भी काम कर रहे हैं और साथ ही कुछ समाजसेवी लोग भी इस दिशा में अकेले ही अपनी मुहिम चला रहे हैं। मानवाधिकार दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक प्रेरणा है। यह हमें याद दिलाता है कि हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार मिलना चाहिए। मानवाधिकारों की रक्षा करना और इसे बढ़ावा देना सभी का कर्तव्य है, ताकि हम एक न्यायपूर्ण और समान समाज का निर्माण कर सकें।

(लेखक पत्रकार हैं)

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है । 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है।

खास बात

मुर्शिदाबाद में बावरी मस्जिद का निर्माण?

क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी। उसके जवाब में पश्चिम बंगाल के मुस्लिम विधायक जो अभी टीएमसी में थे। उन्होंने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया। टीएमसी की नेता ममता बनर्जी ने उन्हें पार्टी से बाहर निकाल दिया। मुस्लिम विधायक जी खुद की पार्टी बनाकर 135 सीटों पर चुनाव लड़ने और बावरी मस्जिद बनवाने की जिद पर अड़े हुए हैं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के पूर्व वह इस तरह की ताल ठोक रहे हैं। तो क्या हुआ भाजपा की बी टीम बनने जा रहे हैं। राजनीतिक हलको में कहा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में एक नए ओवैसी का जन्म हो रहा है। भाजपा को पश्चिम बंगाल में एक ऐसे ही मुस्लिम नेता की जरूरत थी। जो उन्हें मिल गया है। मुस्लिम वोटो में सेंध लगाने का काम विधायक हुमायूं कबीर करेंगे। इसका विश्वास बीजेपी को है।

रूस-चीन और अमेरिका के लिए भारत एक बाजार?

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक बाजार के रूप में देखा जा रहा है। इस बाजार पर अमेरिका चीन और रूस की नजर है। सभी अपने लिए भारत को एक बड़ा बाजार देख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीनों देशों मे जो होड लगी है। उसमें भारत एक मोहरा बनकर रह गया है। भारत के प्रधानमंत्री 140 करोड़ की आबादी को बाजार मानते हैं। जल्द से जल्द, ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने के चक्कर में, तीन नावों पर सवारी भारत कर रहा है। जिसके कारण भारत की स्थिति दिनों दिन दयनीय होती जा रही है। तीनों देश भारत को ब्लैकमेल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। तीन नावों की सवारी में भारत अपने आप को कैसे सुरक्षित रखेगा यह चर्चा का विषय बन गया है।

मोदी राज में इंडिगो का आकाश पर कब्जा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था। अब भारत में हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में यात्रा कर पाएगा। पिछले कुछ वर्षों में 65 फ़ीसदी आकाश में इंडिगो का कब्जा हो गया है। 25 से 30 फ़ीसदी आकाश में टाटा का कब्जा हो गया है। भारत में 7000 की टिकट 1लाख तक में बिक रही है। मुनाफाखोरी मे हवाई कंपनियों की मोनोपोली बन गई है। सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है। इस मुनाफाखोरी में सरकार का भी हिस्सा होगा? तभी तो चुपचाप तमाशा देख रही है। अब हवाई चप्पल वाले क्या हवाई जहाज मे यात्रा कर पाएंगे? अब तो पैसे वाले भी हवाई यात्रा करने मे सोचने लगे हैं। इंडिगो ने जो जलवा दिखाया है। उसके बाद कुछ भी कहना सुनना बेमानी है। सरकार कहती कुछ और है और होता कुछ और है।

डॉलर के मुकाबले रुपये का गिरना अब अच्छा है?

जब देश में मनमोहन सिंह की सरकार थी। उस समय डॉलर के मुकाबले रुपया 58 के स्तर पर पहुंच गया था। तब नरेंद्र मोदी कहते थे, डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने से प्रधानमंत्री और देश की इज्जत गिर रही है। अब जब रुपया 90 के पार हो गया है। तब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कह रही हैं, यूपीए सरकार के समय स्थिति कुछ और थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब स्थिति कुछ और है। तब रुपए का गिरना खराब था, अब रुपए का गिरना अच्छा हो गया है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं, सरकार बदल जाने से क्या अर्थव्यवस्था के नियम बदल जाते हैं या पर उपदेश कुशल बहुतेरे, उपदेश हमेशा दूसरों के लिए होते हैं स्वयं के लिए नहीं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथी, षष्ठी बुधवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, वैश्य योगे, गरकरणे, सिंह की चंद्रमा, भद्रा 30/31 रवियोग 30/25 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान तथा ठेकेदार, जंगल विभाग का ठेकेदार, वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, उद्योगपति, उद्योग स्थापना करने वाला, उत्त्म वृत्ति वाला, नीति निपुण, स्वाभिमानी तथा वक्ता, प्रवक्ता होगा।

मेष राशि- मनोबल उत्साहवर्धक रहे, कार्य गति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य ही मिलेंगे।

वृष राशि- कुछ बाधाएं, कष्ट, उदर विकार, स्त्री शरीर कष्ट, कारोबार में बाधा अवश्य ही बनेगी।

मिथुन राशि- कार्य कुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होगा, स्त्री वर्ग से सुख अवश्य ही होगा।

कर्क राशि- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, सुख शांति में समय व्यतीत होगा, समय का ध्यान रखे।

सिंह राशि- परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होगे, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल होगी।

कन्या राशि- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, आशानुकूल सफलता से हर्ष बिगड़े, कार्य बन जाएगे।

तुला राशि- कार्यगति उत्तम चिन्ताएं कम होगी, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बनेगी।

वृश्चिक राशि- योजनाएं फलीभूत होगी, सतर्कता से कार्य अवश्य निपटा ले, कार्य अवश्य होगा।

धनु राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यगति उत्तम, भावनाएं संवेदनशील अवश्य रहेगी।

मकर राशि- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश व मानसिक अशांति, कार्य अवरोध अवश्य ही होगा।

कुंभ राशि- मनोबल बनाए रखे, किन्तु हाथ में कुछ न लगे, नया कार्य अवश्य प्राप्त होगा।

मीन राशि- दैनिक कार्य गति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, विचार भेद समाप्त होंगे

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

10 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2025 वर्ष का 344 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 13.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.45 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 12.46 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.47 बजे तदनन्तर विष्टि 01.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872554
जूलियन दिन 2461019.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 18

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	सिंह में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
धनु	07.01 बजे से
मकर	09.06 बजे से
कुंभ	10.53 बजे से
मीन	12.26 बजे से
मेष	13.56 बजे से
वृष	15.36 बजे से
मिथुन	17.34 बजे से
कर्क	19.48 बजे से
सिंह	22.04 बजे से
कन्या	00.16 बजे से
तुला	02.27 बजे से
वृश्चिक	04.41 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है. हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं. हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है. आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे. बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है. एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है. बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है. यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है. और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है. बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है. क्थद्दद्यद्ग शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है. बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है.

बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है. विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है. एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है. इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है. मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है. एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है. उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है. इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है. यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है. क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है. इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमिटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है।

तेज गेंदबाज वुड एशेज सीरीज से बाहर , फिशर शामिल

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज के तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने में चोट के कारण हुए तीनों मैचों से बाहर हो गये हैं। इससे पहले से ही सीरीज में 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम की परेशानी और बढ़ गयी है। बुड को पर्थ में सीरीज के पहले मैच में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी थी जो अब बढ़ गयी है। ।इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि वुड अब रिहैबिलिटेशन और रिकवरी के लिए स्वदेश लौट जाएंगे। उनकी जगह पर मैथ्यू फिशर को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। गौरतलब है कि वुड घुटने की सर्जरी के बाद पर्थ में पहले टेस्ट में उतरे। इसमें उन्होंने 8 ओवर ही किए थे कि उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में जकड़न आ गयी।

तीसरे टेस्ट के लिए टीम चयन बना क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किल

एडिलेड। एशेज के पहले दोनो टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए तीसरे टेस्ट में टीम चयन आसान नहीं रहेगा। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरु होगा और ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचो की सीरीज अपने नाम करना रहेगा। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) नहीं चाहेगी कि टीम को नुकसान हो। पहले दोनो ही मैचों में टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने बेहतरीर खेल दिखाया था जिस कारण से अंतिम ग्यारह में से किसी को बहर करना कठिन है।

21 से 30 दिसंबर तक 5 मुकाबले, जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को मौका

श्रीलंका सीरीज के लिए भारत की विमेंस टी-20 टीम अनाउंस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज के लिए भारत की विमेंस टीम रिलीज हो चुकी है। बीसीसीआई विमेंस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। हरमनप्रीत कौर ही टीम की कप्तान और स्मृति मंधाना उप कप्तान रहेंगी। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और विकेटकीपर जी कमलिनी को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिला।

भारत और श्रीलंका के बीच 5 मैचों की सीरीज 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। शुरुआती 2 मुकाबले विशाखापट्टनम और बाकी 3 मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

भारत का स्क्वॉड हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रॉड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

बांग्लादेश की जगह श्रीलंका से खेल रहे टीम इंडिया की यह सीरीज पहले बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली थी, लेकिन उस सीरीज को कैंसिल कर दिया गया। बांग्लादेश की जगह ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज प्लान की गई।

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली सीरीज वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह इंडिया विमेंस की पहली क्रिकेट सीरीज है। भारत ने इसी साल 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल जीतकर पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीती थी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी किया था।

अगले साल टी-20 वर्ल्ड कप श्रीलंका के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज भारत के लिए अगले साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारी का बेहतरीन मौका है। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट का वर्ल्ड कप 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में होगा। 10 टीमों के टूर्नामेंट में भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के साथ रखा गया।

भारत ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप तो जीत लिया, लेकिन टीम कभी टी-20 वर्ल्ड कप को अपने नाम नहीं कर सकी। 2020 में टीम ने इकलौती बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ गया।

दुर्गेश्वरी राठौर का अर्न्त विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

__धार।__ खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अर्न्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी। दुर्गेवश्वरी राठौर की इस उपलब्धि पर जिला खेल अधिकारी, राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष, छोटु शास्त्री, रक्षित निरीक्षक, पुरूषोत्तम बिश्नोई, खेल अधिकारी उमंग अग्रवाल ने बधाई दी। दुर्गेवश्वरी राठौर हॉकी फीडर सेंटर धार के प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। उक्त जानकारी हॉकी प्रशिक्षक मनीष सोलंकी ने दी।

कोलकाता दौड़ में 23000 धावक भाग लेंगे

जमशेदपुर में पहली बार ट्रांसजेंडर फुटबॉल लीग का आयोजन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारतीय फुटबॉल में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के तहत सात ट्रांसजेंडर टीमों ने जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) के तहत रविवार को एक विशेष टूर्नामेंट की शुरुआत की। जमशेदपुर एफटी, चाईबासा एफसी, चक्रधरपुर एफसी, जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी, नोआमुंडी एफसी, सरायकेला एफसी और कोल्हान टाइगर एफसी की पांच-पांच खिलाड़ियों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं। शुरुआत में ट्रांसजेंडर्स लीग में केवल चार टीमें ही प्रतिस्पर्धा करने वाली थीं, लेकिन बाद में तीन और टीमें इसमें शामिल कर ली गईं। यह टूर्नामेंट जमशेदपुर सुपर लीग का एक हिस्सा है, जिसमें आयु-वर्ग लीग जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी होती हैं।

जमशेदपुर एफटी ने ट्रांसजेंडर लीग के शुरुआती दिन उद्घाटन मैच में चाईबासा एफसी को 7-0 से जबकि कोल्हान टाइगर एफसी ने चक्रधरपुर एफसी को 3-0 से हराया। जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी और नोआमुंडी एफसी के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ खेला गया।

जमशेदपुर एफटी के लिए चार गोल करने वाली पूजा सोय ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर खुद की पहचान बनने पर खुशी जताते हुए ने कहा, ''फुटबॉल एक बहुत ही खूबसूरत खेल है। पहली बार मुझे ऐसा लगा कि मुझे मेरे लिंग के लिए नहीं बल्कि मेरे खेल के लिए देखा जा रहा है।''

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे फुटबॉल को सुलभ बनाने और समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार किया गया है।

हीरो हॉकी महिला लीग इस माह के अंत में, पुरुष लीग अगले साल की शुरुआत में

रांची, एजेंसी ।हीरो हॉकी इंडिया के महिला लीग मुकाबले इसी माह 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक रांची में खेले जाएंगे जबकि पुरुष लीग 3 से 26 जनवरी तक चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी।

हीरो हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग कमेटी के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, पिछले सत्र की सफलता के बाद हमें इस बार और भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। हमने पुरुष लीग को तीन शहरों में रखा है जिससे अधिक से अधिक प्रशंसक इस विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले पायें। 'वहीं हॉकी इंडिया लीग की गवर्निंग कमेटी के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हीरो हॉकी इंडिया लीग में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। ऐसे में आगामी सत्र अब तक का सबसे बेहतर सत्र होगा। इस कार्यक्रम के दौरान रांची रॉयल्स का आधिकारिक लोगो भी जारी किया गया। ये लोगो टीम की जीवंत भावना और झारखंड की

समृद्ध हॉकी विरासत के साथ मजबूत संबंध को दिखाता है।

महिला लीग में कुल 13 मैच खेले जाएंगे। इसमें शामिल चार टीमों रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स, जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, और श्राची रारह बंगाल टाइगर्स के बीच डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में मुकाबले होंगे। वहीं अंक तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच 10 जनवरी को फाइनल होगा। इस टूर्नामेंट में नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और ग्रेट ब्रिटेन जैसे 10 से अधिक देशों की महिला खिलाड़ी भाग लेंगी।

वहीं पुरुष लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक चलेगी। पहला चरण चेन्नई में, दूसरा रांची में और तीसरा भुवनेश्वर में होगा।पुरुष लीग में आठ टीमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान, जीएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स (वर्तमान चैंपियन), वेदांता कलिंग लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हिस्सा लेंगी। पुरुष लीग में 33 मैच खेले जाएंगे, जिनमें अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे शीर्ष हॉकी राष्ट्रों के खिलाड़ी शामिल होंगे। सभी टीमें सिंगल राउंड-रॉबिन प्रारूप में एक-दूसरे से खेलेंगी। शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर 23 जनवरी (भुवनेश्वर) को खेला जाएगा। वहीं दूसरा क्वालिफायर 25 जनवरी को खेला जाएगा। फाइनल और तीसरे स्थान के लिए मैच 26 जनवरी को कलिंग स्टेडियम, भुवनेश्वर में खेला जाएगा।

व्यापार समाचार

अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने कहा

संसाधनों को लूटने वाले देश ही अब कार्बन उत्सर्जन पर ज्ञान दे रहे'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उपभोक्ता देश है, लेकिन प्रति व्यक्ति आधार पर यह प्रति वर्ष 1,400 किलोवाट घंटे से भी कम बिजली की खपत करता है- जो वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। यह आंकड़ा अमेरिका के दसवें हिस्से और यूरोप के पांचवें हिस्से के बराबर है। अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने धनबाद स्थित आईएसएम में यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी देशों के बारे में और क्या कहा, आइए जानते हैं।

अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी ने कार्बन उत्सर्जन पर दोहरे रवैये के लिए पश्चिमी देशों पर निशाना साधा है। गौतम अदाणी ने कहा है कि इतिहास के कुछ सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश अब अच्छी-अच्छी कहानियां बनाकर कहानियों के जरिए कार्बन कटौती पर व्याख्यान देते हैं। अदाणी ने इस स्थिति को 'नैरेटिव कोलोनाइजेशन' (कथात्मक उपनिवेशवाद) करार दिया और कहा कि इससे सावधान रहने की जरूरत है।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के शताब्दी समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत को ऐसे समय में अपने विकास का रास्ता स्वयं तय करना होगा,

जब वैश्विक गठबंधन टूट रहे हैं और दुनिया के प्रमुख देश मुख्य रूप से अपने हित में काम कर रहे हैं। अदाणी ने कहा, 'भारत को बाहरी दबावों को अपनी विकास प्राथमिकताओं को आकार देने की अनुमति नहीं देनी चाहिए या अपने विकास पर अपराधबोध रखने का जोखिम नहीं उठाना चाहिए।' गौतम अदाणी ने कहा कि 21वीं सदी में संप्रभुता किसी देश की अपने प्राकृतिक संसाधनों और ऊर्जा प्रणालियों पर नियंत्रण पर आधारित होगी, और उन्होंने इन्हें आर्थिक स्वतंत्रता का दोहरा स्तंभ बताया।

अदाणी ने कहा, 'हम कथात्मक उपनिवेशीकरण के युग में रह रहे हैं, जहां वही राष्ट्र जिन्होंने संसाधनों को लूटा, महाद्वीपों को गुलाम बनाया और दो शताब्दियों तक जीवाश्म ईंधन जलाया, अब विदेशी राजधानियों में नैतिकता का पाठ पढ़ाते हैं। उनमें से कई अब भारत के विकास की गति और शैली को निर्धारित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक विरोधाभास है कि जिन लोगों ने पृथ्वी को गर्म किया, वे अब यह नियम बनाना चाहते हैं कि पृथ्वी को कैसे ठंडा किया जाए। यह आधुनिक धारना है। इसलिए, यदि हमने अपने अपनी धारणाओं को नियंत्रित नहीं किया तो हमारी वृद्धि को आपराधिक घोषित कर दिया जाएगा, हमारी आकांक्षाओं को अवैध घोषित कर दिया जाएगा, और हमारे जीवन स्तर को बेहतर बनाने के अधिकार को दुनिया में अपराध के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।'

अदाणी ने तर्क दिया कि ऐतिहासिक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार देश अब विकासशील देशों के विकास को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन दुनिया में सबसे कम है। अदाणी

सरकार का इंडिगो पर कड़ा एक्शन

एयरलाइन की उड़ानों में 10% की कटौती, सीईओ बोले हमें माफ कर दो

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10 कटौती करने का निर्देश दिया है। विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। इससे पहले डीजीसीए ने एयरलाइन को उड़ानों में 5% कटौती का आदेश दिया था। इस बारे में क्या है अपडेट, आइए जानते हैं विस्तार से।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10% कटौती करने का कड़ा निर्देश दिया है। पिछले हफ्ते क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी।

इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को मंगलवार को विमानन मं मंत्रालय में तलब किया गया, जहां उन्होंने हालात को स्थिर करने के लिए किए जा रहे उपायों पर अपडेट दिया। सीईओ ने पुष्टि की है कि 6 दिसंबर तक प्रभावित उड़ानों के लिए 100% रिफंड की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। मंत्रालय ने शेष रिफंड और यात्रियों के फंसे हुए सामान को जल्द से जल्द सौंपने के सख्त निर्देश दिए हैं। इंडिगो को किराया सीमा और यात्री सुविधा उपायों सहित मंत्रालय के सभी निर्देशों का बिना किसी अपवाद के पालन करने को कहा गया है। नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी जानकारी दी।

क्या है कटौती का मकसद?: मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 10% की कटौती का उद्देश्य एयरलाइन के सिस्टम पर दबाव कम करना है ताकि जो भी उड़ानें शेड्यूल में रहें, वे समय पर और बिना रद्द हुए चल सकें। इंडिगो को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह उच्च मांग वाले रूट्स पर भी संचालन को सुचारू रखे और किसी भी सेक्टर पर सेवा पूरी तरह बंद न करे।

मंजूर उड़ानों के मुकाबले कम संचालन: डीजीसीए की ओर इंडिगो को जारी आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि विंटर शेड्यूल के तहत नवंबर 2025 के लिए एयरलाइन को प्रति सप्ताह 15,014 प्रस्थान और कुल 64,346 उड़ानों की मंजूरी दी गई थी। हालांकि, परिचालन आंकड़ों से पता चलता है कि इंडिगो केवल 59,438 उड़ानें ही संचालित कर पाई। नवंबर में एयरलाइन की 951 उड़ानें रद्द की गईं।

सरकार एकीकृत डिजिटल सीमा शुल्क प्लेटफ़ॉर्म बनाएगी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2027 के बजट से पहले सरकार सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की योजना बना रही है। इसके तहत मौजूदा तीन प्रमुख प्रणालियां आइसगेट, आरएमएस ओर आरसीईएस एकीकृत होकर राष्ट्रीय सीमा शुल्क प्लेटफ़ॉर्म का निर्माण करेंगी। आइसगेट के जरिए व्यापारी ई-फाइलिंग और भुगतान करते हैं, आरएमएस जोखिम-आधारित जांच को स्वचालित करता है और आईसीईएस बैकएंड मूल्यांकन एवं क्लीयरेंस संभालता है। वर्तमान में ये तंत्र अलग-अलग काम करते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और देरी होती है। नई परियोजना से प्रक्रिया में तेजी आएगी, स्वचालित क्लीयरेंस में सुधार होगा और विवाद समाधान पूरी तरह डिजिटल होगा। सरकार आगामी बजट में परियोजना के लिए धन आवंटित कर सकती है।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली: कृषि मंत्री

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई पर ऑफर्स की घोषणा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। कंपनी की उक्त एसयूवी खरीद कर ग्राहक अधिकतम रुपए 3.80 लाख तक की बचत कर सकते हैं। कंपनी का कहना है कि यह ऑफर वैरिएंट-आधारित होगा और इसमें कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज और लॉयल्टी बोनस, कॉर्पोरेट बेनिफिट्स, कंप्लीमेंट्री पीपीएफ और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ शामिल हैं। यह योजना दिसंबर 2025 तक वैध है।

चावल कंपनियों के शेयर लड़खड़ाए, 10 फीसदी तक फिसले

निवेशक चिंतित, सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई :ट्रंप

मुंबई, एजेंसी। भारतीय चावल कंपनियों के शेयर मंगलवार को बाजार खुलते ही तेज गिरावट के साथ खुले। केआरबीएल, एलटी फूड्स और जीआरएम ओवरसीज़ जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयर 3 से 10 फीसदी तक फिसल गए। सबसे अधिक गिरावट एलटी फूड्स के शेयर में दर्ज की गई, जो 8 फीसदी गिरकर 362 रुपए के इंट्रा-डे लो पर आ गया। कोहिनूर फूड्स के शेयर 10 फीसदी तक घट गए, जबकि चमन लाल सेतिया एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का शेयर 5 फीसदी नीचे गया। इसके अलावा कावेरी सीड कंपनी और जीआरएम ओवरसीज़ लिमिटेड के शेयर भी प्रभावित हुए। हालांकि दिन के दौरान कुछ शेयरों में रिकवरी भी देखी गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका भारत से आयातित चावल और कनाडा से आने वाले फर्टिलाइज़र पर नए टैरिफ लगा सकता है। उनका कहना था कि ये आयात अमेरिकी किसानों के लिए चुनौती बन रहे हैं और अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि भारत, थाईलैंड और वियतनाम से सस्ते चावल आने से अमेरिकी किसानों की उपज की कीमतें दब रही हैं और इसे लेकर कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने अमेरिकी किसानों के लिए 12 अरब डॉलर का सहायता पैकेज भी घोषित किया। ट्रंप के बयान के बाद भारतीय चावल निर्यातकों के शेयरों में पैनिक सेलिंग हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अमेरिका चावल पर टैरिफ लागू करता है, तो इसका दीर्घकालीन असर निर्यातकों की आय और शेयर बाजार पर पड़ सकता है। निवेशकों के लिए सतर्क रहना और बाजार की चाल पर ध्यान देना जरूरी है।

राज्यसभा मेंबर राजिंदर गुप्ता को

टेक्सटाइल और स्किल डेवलपमेंट पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी के लिए नॉमिनेट किया गया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पंजाब से राज्यसभा मेंबर राजिंदर गुप्ता को लेबर, टेक्सटाइल और स्किल डेवलपमेंट पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी के लिए नॉमिनेट किया गया है। यह एक अहम पैनल है जो ज़रूरी इकोनॉमिक सेक्टर में पॉलिसी और सुधारों की देखरेख करता है।

राजिंदर गुप्ता-ट्राइडेंट ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन एमेरिटस-एक जाने-माने इंडस्ट्रियलिस्ट और समाजसेवी के तौर पर जाने जाते हैं, जिन्हें मैन्युफैक्चरिंग, ग्लोबल ट्रेड और वर्कफोर्स डेवलपमेंट में दशकों का प्रैक्टिकल अनुभव है। उनके अपॉइंटमेंट से कमिटी को इंडस्ट्री की कीमती जानकारी मिलने की उम्मीद है, खासकर ऐसे समय में जब भारत का

टेक्सटाइल सेक्टर अमेरिका से बढ़ते टैरिफ दबाव और स्किल्ड और अनस्किल्ड दोनों तरह के वर्कर्स के लिए मजबूत स्किलिंग फ्रेमवर्क की ज़रूरत जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

1980 के दशक के बीच में मामूली रिसोर्स के साथ शुरुआत करते हुए, राजिंदर गुप्ता ने ट्राइडेंट ग्रुप को दुनिया के लीडिंग इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल और पेपर ग्रुप्स में से एक बनाया। कंपनी आज स्ब्ध 2 बिलियन से ज़्यादा की ग्लोबल एंटरप्राइज है, जिसमें 17,500 से ज़्यादा लोग काम करते हैं।

इंडस्ट्री लीडरशिप के अलावा, गुप्ता शिक्षा, खेल और हेल्थकेयर की पहल में भी सक्रिय रूप से योगदान देते हैं, जिससे देश के विकास के लिए प्रतिबद्ध एक बहुमुखी नेता के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत होती है। स्ब्क्क राजिंदर गुप्ता को लेबर, टेक्सटाइल और स्किल डेवलपमेंट पर पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी के लिए नॉमिनेट किया गया।

संक्षिप्त समाचार

शिवालिक रेंज में वीवीआईपी कब्ज़ों की गहन जांच ज़रूरी: चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कांग्रेस पर राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। तरुण चुग ने यहां मीडिया से कहा कि नवजोत कौर सिद्धू ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा पर राजस्थान में कांग्रेस के विधानसभा टिकट बेचने का आरोप लगाया है। यह बेहद गंभीर आरोप है और इसकी जांच आवश्यक है, क्योंकि यह गांधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस में भारी भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। चुग ने कहा कि खुद गांधी परिवार के कुछ सदस्य भ्रष्टाचार मामलों में जमानत पर हैं, इसलिए नवजोत कौर द्वारा लगाए गए आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए। चुग ने शिवालिक रेंज में सरकारी और वन भूमि पर अवैध कब्ज़ों को लेकर पंजाब में एक नया भ्रष्टाचार अध्याय सामने आने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता यह जानना चाहती है कि जब नवजोत कौर ने इतने गंभीर पर्यावरणीय और भूमि घोटाले की बात कही, तो कांग्रेस ने उन्हें निलंबित करके कौन-सा सच छिपाने की कोशिश की। चुग ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू का आरोप है कि शिवालिक की तराई में हज़ारों एकड़ संरक्षित भूमि पर वीवीआईपी अवैध रूप से कब्ज़ा किए हुए हैं, जबकि यह भूमि पंजाब लैंड प्रीज़र्वेशन एक्ट और वन कानूनों के तहत संरक्षित है। चुग ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इन अवैध कब्ज़ों को वैध करने की कोशिश में लगे हैं, जो सीधे-सीधे पर्यावरण और पंजाब के खिलाफ अपराध होगा। उन्होंने कहा कि शिवालिक क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए किसी भी तरह की वैधता को तुरंत जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए।

एसिड अटैक: भारत सहित कई देशों में महिलाएं हो रही शिकार

कोलंबिया। दुनिया में एसिड अटैक एक गंभीर और ज्वलंत समस्या है। भारत, यूके, बांग्लादेश, युगांडा और कोलंबिया इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। महिलाओं पर हमले अधिक होते हैं। कानून को कड़े करने और समाज की सोच बदलने और पीड़ितों के सुरक्षा उपाय अपनाने की जरूरत है। एसिड अटैक ऐसा अपराध है जो किसी भी देश, किसी भी समाज की तस्वीर बिगाड़ देता है. यह न सिर्फ चेहरे को जलाता है, बल्कि जिंदगी भर का घाव देता है। रिपोर्ट यह बताती है कि दुनिया के कई देशों में यह समस्या कितनी बड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक पांच देश हैं, जहां एसिड अटैक के मामले सबसे ज्यादा दर्ज हुए हैं। यूनाइटेड किंगडम में 2022 में 710 मामले दर्ज हुए। भारत में हर साल करीब 614 मामले होने का अनुमान है। बांग्लादेश में 2002 में 400 मामले दर्ज किए गए थे, जो उस समय वहां की सबसे बड़ी संख्या थी। युगांडा में 1985 से 2011 के बीच 382 मामले दर्ज हुए। कोलंबिया में हर साल लगभग 100 मामले दर्ज होते हैं। बात दें कि भारत में 2018 में आधिकारिक तौर पर 228 मामले दर्ज हुए थे। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि असल संख्या इससे कई गुना ज्यादा है। यहां ज्यादातर पीड़ित महिलाएं और लड़कियां होती हैं।

म्यांमार में 3.7 तीव्रता का भूकंप

नेपीडॉ (म्यांमार)। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.7 दर्ज की गई है। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, 09 दिसंबर 2025 को म्यांमार में मध्य रात्रि एक बजकर 21 मिनट (भारतीय समयानुसार) पर 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से 30 किमी की गहराई पर था। इससे पहले सोमवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पहले सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 80 किमी की गहराई पर था। इसके बाद दोपहर 3 बजकर 46 मिनट पर 3.5 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी की गहराई पर था। उल्लेखनीय है कि म्यांमार चार टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित होने के कारण भूकंप और सुनामी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

भाजपा बंगाल की संस्कृति से पूरी तरह अनजान : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में सोमवार को दिए गए भाषण में वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम-दा' कहकर संबोधित करने को 'अज्ञानता और अनादर' बताया। मंगलवार को कूचबिहार में आयोजित जनसभा में ममता ने कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और इतिहास का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार को संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम दा' कहा। जैसे श्याम-दा या हरी-दा कहा जाता है। बंकिम चंद्र, जिन्होंने देश का राष्ट्रीय गीत लिखा, उनके लिए यह संबोधन किसी भी तरह सम्मानजनक नहीं है। देश की जनता के सामने सिर झुकाना भी कम पड़ेगा। यह संस्कृति और इतिहास पर चोट है।

दिल्ली-यूपी समेत 15 राज्यों में कहर बरपाएगी ठंड, शीतलहर और बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिसंबर का महीना लगते ही देश के ज्यादातर हिस्से शीतलहर की चपेट में आ गए हैं। ठंड तेजी से पैर पसार रही है। कई राज्यों में आज भी शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उससे सटे पूर्वी भारत में शीतलहर की स्थिति जारी रहेगी। उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में 12 दिसंबर तक शीतलहर दस्तक दे सकती है।

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम और मणिपुर में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा समेत उत्तर पूर्वी राज्यों में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है।

13 दिसंबर से देश में ठंड का कहर और बढ़ सकता है। पश्चिमी हिमालय से सटे राज्यों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी से तापमान में तेज गिरावट होने की संभावना है।

हिमाचर प्रदेश और उत्तराखंड में भी मौसम शुष्क बना हुआ है, जिससे ठंड काफी ज्यादा बढ़ गई है। सूखी ठंड और पाला पड़ने से पहाड़ी क्षेत्रों में लोग काफी परेशान हैं। 13 दिसंबर के बाद पहाड़ी राज्यों में बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों में शीतलहर का असर दिल्ली एनसीआर पर भी देखने को मिल सकता है। सर्द हवाओं के कारण दिल्ली के कई इलाकों में ठंड का एहसास बढ़ने का अनुमान है। राजधानी हल्के धुंध और कोहरे के साथ न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा।

उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में शीतलहर के कारण ठंड अचानक से बढ़ गई है। तराई बेल्ट में सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई है। वहीं, शीतलहर के कारण ठिठुरन और गलन महसूस हो सकती है। बिहार में पछुआ हवा चल रही है, जिससे ठंड का एहसास बढ़ने लगा है। पटना समेत कई जिलों में तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बिहार में अगले 48 घंटे तक पछुआ का कहर जारी रहेगा। इस दौरान ज्यादातर इलाकों में 15-20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने केरल, तमिलनाडु और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में आज भारी बारिश की संभावना जताई है। इन राज्यों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है

बढ़ती महंगाई को लेकर लोगों में असंतोष

अमेरिका में ट्रंप को नहीं मिल रहा आम जनता का साथ !

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से टैरिफ को लेकर दिए हालिया बयानों से हलचल मचा दी है। पूरी दुनिया में टैरिफ का दबाव बनाने वाले ट्रंप अब अपने ही देश में बढ़ती महंगाई को लेकर घिरते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति घरेलू चुनाव को देखते हुए आम जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में लग गए हैं। ट्रंप भले ही टैरिफ के जरिए दूसरे देशों पर दबाव बनाने की कोशिशों में किसी हद तक कामयाब रहे हों, लेकिन अमेरिकी जमीन पर जनता में उनके फैसलों को लेकर असंतोष साफ जाहिर है।

कल मंगलवार को पेंसिलवेनिया के एक कसीनो रिजॉर्ट में ट्रंप एक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक बार फिर से अपने पुराने दावों को दोहराते नजर आए। रैली में मौजूद लोग उम्मीद कर रहे थे कि ट्रंप बढ़ती महंगाई से राहत के लिए कोई खास ऐलान कर सकते हैं। उन्होंने पेट्रोल की कम कीमतों, रिकॉर्ड निवेश और नौकरियां

बढ़ाने के अपने पुराने दावों को ही दोहराया।

इस दौरान उन्होंने डेमोक्रेट्स और पूर्व की बाइडेन सरकार पर तंज कसा। इसके साथ ही ट्रंप ने ट्रांसजेंडर स्पोर्ट्स, अप्रवास और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे मुद्दों पर फिर से बयानबाजी करते नजर आए। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए शांति लाना उनका लक्ष्य है, और दावा किया कि टैरिफ को लेकर उनके फैसले सफल रहे। अप्रवासी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि बाइडेन के नेतृत्व में कई खतरनाक अवैध प्रवासी देश में आ गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू मुद्दों की अनदेखी को लेकर रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी चिंता बढ़ गई है। पार्टी सांसद टोनी गोंजालेस ने चेतावनी दी कि अगर रिपब्लिकन आर्थिक मुद्दों पर ध्यान नहीं देंगे, तो यह उनके लिए नुकसानदेह साबित होगा। हालांकि, जनता के मुद्दों से जुड़ने के लिए ट्रंप ने बढ़ती महंगाई को लेकर ज्यादा कुछ तो नहीं कहा, लेकिन बिना किसी नीति के अमेरिका को फिर से किफायती बनाने का नारा दिया।

बता दें, डेमोक्रेट्स हाल के चुनावों में महंगाई और घरों की कीमतों को मुख्य मुद्दा बनाकर आगे बढ़ रहे हैं। कुछ हालिया सर्वे में ट्रंप के लिए मुश्किलें नजर आ रही हैं। कई सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 44 फीसदी पर ही सिमट कर रह गई। अधिकतर लोग ट्रंप के फैसलों से नाखुश नजर आ रहे हैं; उनकी नजर में अमेरिका गलत दिशा में जा रहा है।

वहीं ट्रंप जनता को लुभाने की तमाम कोशिशें कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2,000 डॉलर के टैरिफ डिविडेंड चेक और नवजात बच्चों के लिए ट्रंप अकाउंट का वादा किया है। इसके अलावा, किसानों को टैरिफ वॉर के नुकसान की भरपाई के लिए 12 अरब डॉलर देने की घोषणा की है।

अमेरिका में अब भी महंगाई 3 फीसदी के आसपास है। हालांकि, ट्रंप सरकार इसे तेज गिरावट नहीं मान रही है। ट्रंप इसे बाइडेन के दौर की 19 फीसदी महंगाई का प्रभाव बता रहे हैं।

रबी सीजन में बुआई का कुल क्षेत्रफल 479 लाख हेक्टेयर पार, पिछले वर्ष से 27.89 लाख हेक्टेयर अधिक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 5 दिसंबर तक चालू शीत ऋतु में रबी फसलों के तहत बुआई का कुल क्षेत्रफल 479 लाख हेक्टेयर से अधिक रहा। यह बीते वर्ष की समान अवधि के 451.12 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 27.89 लाख हेक्टेयर अधिक है।

इसके अलावा, आधिकारिक जानकारी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में 241.4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, 10.98 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में चावल और 106.21 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दलहन की खेती की जा चुकी है। जबकि बीते एक वर्ष की समान अवधि में गेहूं, चावल और दलहन की खेती का क्षेत्र क्रमशः 217.81 लाख हेक्टेयर, 9.86 लाख हेक्टेयर और 105.78 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया था।

जहां एक ओर श्री अन्ना एवं मोटे अनाज के तहत 5 दिसंबर तक 36.28 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कवर किया गया, वहीं, तिलहन के लिए बुआई का क्षेत्र 84.14 लाख हेक्टेयर रहा।

इस वर्ष दलहन में ग्राम की बुआई का क्षेत्र 77.84 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 75.16 लाख हेक्टेयर था। इसी तरह, उड़द दाल की बुआई का क्षेत्र 1.84 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 1.67 लाख हेक्टेयर था।

इस वर्ष श्री अन्ना एवं मोटे अनाज में रागी की बुआई का क्षेत्र 0.64 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 0.46 लाख हेक्टेयर था। छोटे बाजरे बुआई का क्षेत्र 0.12 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 0.09 लाख हेक्टेयर था। मक्के की बुआई का क्षेत्र 11.41 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 11.05 लाख हेक्टेयर था। जौ की बुआई का क्षेत्र 5.95 लाख हेक्टेयर रहा, जो कि बीते वर्ष की समान अवधि में 5.68 लाख हेक्टेयर था।

बुआई के क्षेत्र में वृद्धि से उत्पादन में वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में भी मदद मिलेगी।

तिरुपति मंदिर में 10 साल तक चढ़ाए गए सिल्क की जगह पॉलिएस्टर के दुपट्टे

लड्डू के बाद हुआ एक और घोटाला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति देवस्थानम मंदिर में लड्डू घोटाले के बाद अब एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। ट्रंस्ट का आरोप है कि 2015 से 2025 तक भक्तों-दानदाताओं को दिए जाने वाले पवित्र रेशमी (सिल्क) दुपट्टे असल में 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर के थे।

दरअसल, लड्डू विवाद और परकमानी मामले के अलावा, प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर का संचालन करने वाले ट्रस्ट ने अब आरोप लगाया है कि पिछले एक दशक में रेशमी दुपट्टे बेचने वाली एक फर्म ने उन्हें करोड़ों रुपये का चूना लगाया है।

नियम के अनुसार, हर दुपट्टे में शुद्ध शहतूत रेशम और रेशम होलोग्राम होना अनिवार्य था, लेकिन सप्लायर ने सस्ता पॉलिएस्टर थोपकर करीब 55 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। फर्म ने शुद्ध शहतूत रेशम के बजाय, 2015 से 2025 तक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को 100 प्रतिशत पॉलिएस्टर के दुपट्टे बेचे।

टीटीडी चेयरमैन बीआर नायडू की अध्यक्षता में बोर्ड ने पूरा मामला आंध्र प्रदेश एंटी-करप्शन ब्यूरो को सौंप दिया है। दुपट्टे की जांच के लिए गोदाम और मंदिर परिसर से सैंपल लिए। इसके बाद बेंगलुरु व धर्मवरम की सेंट्रल सिल्क बोर्ड लैब में टेस्ट कराया गया। जांच के दौरान दोनों ही रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई है कि सारे दुपट्टे पॉलिएस्टर के हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाल ही में दुपट्टा सप्लायर नागरी की एक्सपोर्ट्स को अभी-अभी 15,000 और दुपट्टों का नया ठेका भी दिया गया था। अब उस ठेके पर भी रोक लग गई है। बोर्ड ने मामले की जांच एंटी-करप्शन ब्यूरो को सौंपते हुए कथित धोखाधड़ी के पीछे के लोगों की पहचान करने को कहा है।

बता दें कि तिरुमाला मंदिर के भीतर वीआईपी दर्शन के दौरान रंगनायकुला मंडपम में वेदासिरवाचनम के समय टीटीडी दानदाताओं और अन्य श्रद्धालुओं को रेशमी दुपट्टे भेंट किया जाता है। पुरोहित दानदाताओं और वीआईपी दर्शन टिकट खरीदने वालों का अभिनंदन करते हैं।

मंदिर के नियमों के अनुसार, दुपट्टे पूरी तरह से शुद्ध शहतूत रेशम से बुने होने चाहिए और ताने और बाने दोनों में 20/22 डेनियर के धागे का प्रयोग होना चाहिए, जिससे दुपट्टों की न्यूनतम मोटाई 31.5 डेनियर हो। प्रत्येक वस्तु पर एक ओर संस्कृत में और दूसरी ओर तेलुगु में %? नमो वेंकटेशाय% लिखा होना चाहिए, साथ ही शंकु, चक्र और नमम् के प्रतीक भी होने चाहिए। दुपट्टे का आकार, वजन और बॉर्डर डिजाइन भी स्पष्ट रूप से तो परिभाषित हैं, लेकिन जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि फर्म ने सस्ते पॉलिएस्टर की आपूर्ति करके मंदिर ट्रस्ट को धोखा दिया है।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता ने महिला पत्रकार को किया भद्दा इशारा, सोशल मीडिया पर हो रही थू-थू

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को महिला पत्रकार पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में भद्दा इशारा करने पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मानसिक रोगी और सेना के खिलाफ जहर फैलाने वाला बताया। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को व्यापक आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जब एक महिला पत्रकार ने उनसे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़ा सवाल किया, तो उन्होंने जवाब देते हुए पत्रकार की ओर गलत इशारा किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। वीडियो में दिखाया गया है कि अहमद शरीफ चौधरी, इमरान खान को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, राज्य विरोधी और भारत की कठपुतली बताते हैं। महिला पत्रकार अब्सा कोमल उनसे सवाल करती हैं कि यह अतीत से कैसे अलग है या हमें भविष्य में किसी बदलाव की उम्मीद रखनी चाहिए? चौधरी ने जवाब देते कहते हैं- चौथा बिंदु भी जोड़ें- वह (इमरान खान) जहनी मरीज (मानसिक रोगी) भी हैं। इसके बाद उन्होंने मुस्काराते हुए पत्रकार की ओर भद्दा इशारा किया।

सोशल मीडिया पर इस पर प्रतिक्रियाएं सामने आईं। एक यूजर ने लिखा, यह सब कैमरे के सामने हो रहा है। पाकिस्तान में लोकतंत्र खत्म हो गया।

प्रधानमंत्री केवल एक कठपुतली हैं। जबकि दूसरे ने लिखा, यह एक राष्ट्र का मीम बन गया है। शुक्रवार को चौधरी ने इमरान खान को आत्ममुग्ध (नार्सिसिस्ट) बताया और कहा कि उनकी इतनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हो गई हैं कि उन्हें लगता है, अगर मैं सत्ता में नहीं हूं, तो कुछ भी नहीं होना चाहिए। हालांकि उन्होंने सीधे उनका नाम नहीं लिया।

पश्चिम मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना, दिनांक 08.12.2025

वरिष्ठ मंडल अभियंता/सम./पश्चिम मध्य रेल, भोपाल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए उनके समक्ष दर्शाई गई दिनांक को 15.30 बजे तक ई-टेन्डर आमंत्रित करते है। संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से सम्बंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेल, भोपाल कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस टेन्डर के लिये कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है। इस निविदा में कोई आवश्यक संशोधन, यदि जरूरी हो, तो निविदा खुलने के पूर्व वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा तथा मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाया जायेगा। जिसे टेन्डर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है। निविदाकारों से निवेदन है, कि वह जीएसटी कानून 2017 के प्रावधानों के अनुसार अपने दर तथा निविदाएं प्रस्तुत करें। **(1) निविदा सूचना संख्या:** 25-26-S-24-119 **दिनांक:** 02.12.2025 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** भोपाल संभाग में एडीईएन हरदा अनुभाग (मथेला, तलवड़िया, बीर, सुरगांव बंजारी, चारखेड़ा खुर्द, छनेरा, बरुद, डगरखेड़ी, खिरकिया, मिरंगी, हरदा और चारखेड़ा) के अंतर्गत यार्ड इम्प्रूवमेंट और अपग्रेडेशन कार्य। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 93535503.12/- **बयाना राशि:** ₹ 617700/- **समापन अवधि:** 12 माह **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 30.12.2025 **(2) निविदा सूचना संख्या:** 25-26-HQ-25-120 **दिनांक:** 03.12.2025 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** भाग (ए)-भोपाल के वेस्ट कॉलोनी स्थित मौजूदा 33/0.4 केवी सबस्टेशन नंबर-2 की नई स्थान पर स्थानांतरित (शिफ्ट) करना। भाग (बी)- भोपाल-प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर आरपीएफ पोस्ट भवन का निर्माण तथा फर्नीचर की व्यवस्था। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 20497682.02/- **बयाना राशि:** ₹ 252500.00/- **समापन अवधि:** 12 माह **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 26.12.2025 **(3) निविदा सूचना संख्या:** 25-26-N-23-121 **दिनांक:** 08.12.2025 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** भोपाल मंडल: थ्रू वेल्ड नवीकरण (कुल लंबाई 57.45 किमी)-BET-BINA-MDVK अप/ मध्य/ डाउन मुख्य लाइनों तथा लूप लाइनों/साइडिंग्स में, जो DEN/नॉर्थ/भोपाल के अधिकार क्षेत्र में आती है। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 35945180.26/- **बयाना राशि:** ₹ 329700/- **समापन अवधि:** 24 माह **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 30.12.2025

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), प.म.रे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

जापान में महाभूकंप की चेतावनी जारी

बड़ी आपदा की आशंका, लाखों लोगों की जा सकती है जान...

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जापान में भूकंप ने बड़ी तबाही मचाई है। मंगलवार को भी होक्काइडो के दक्षिण में आओमोरी के पूर्वी तट पर 7.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसमें काफी क्षति हुई, 34 लोगों को हल्की चोटें आईं और सड़कों व इमारतों पर सीमित प्रभाव पड़ा। लेकिन इस भूकंप के बाद जापान के मौसम विभाग ने एक दुर्लभ महाभूकंप सलाह जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आए भूकंप से मामूली अधिकारियों ने कहा कि इस झटके ने क्षेत्र में एक बड़े भूकंप का खतरा बढ़ा दिया है। अधिकारियों ने आगे कहा कि यह चेतावनी कोई पूर्वानुमान नहीं है, लेकिन इस क्षेत्र में 8 या उससे अधिक तीव्रता वाले भूकंप की संभावना जताई गई है।

अधिकारियों को उम्मीद है कि यह अलर्ट निवासियों को सबसे बुरे हालात के लिए तैयार रहने के लिए प्रोत्साहित करेगा, खासकर 2011 की उस आपदा की याद दिलाते हुए जिसमें लगभग 20,000 लोग मारे गए थे और जिसके कारण फुकुशिमा परमाणु आपदा हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा है कि अगले हफ़्ते आठ से ज़्यादा तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आने की प्रबल संभावना है। तटीय क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों से सतर्क रहने, आपातकालीन किट तैयार रखने और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत घर खाली करने का आग्रह किया गया है।

इस बारे में जेएमए का कहना है कि सोमवार के भूकंप ने होक्काइडो-सानरिकु तट पर भूकंपीय जोखिम बढ़ा दिया है, जहां प्रशांत प्लेट जापान के नीचे से गुज़रती है और जापान ट्रेंच और चिशिमा ट्रेंच बनाती है - ये क्षेत्र देश के कई सबसे बड़े ऐतिहासिक भूकंपों के लिए ज़िम्मेदार हैं।

गुजरात लड़की के चक्कर में दोस्त बना दुश्मन

नई दिल्ली। गुजरात से हत्या का एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। 20 वर्षीय युवक पिछले कई दिनों से लापता था और अब उसकी लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। उससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह है कि कातिल कोई और नहीं बल्कि उसका दोस्त ही है।

गुजरात के नखत्राणा स्थित मुरु गांव में रहने वाला रमेश महेश्वरी 6 दिन से लापता था। परिजनों ने 2 दिसंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। जांच में शक की सुई रमेश के दोस्त किशोर की तरफ घूमी और पुलिस के डर से किशोर ने सारा सच उगल दिया। गुजरात पुलिस के अनुसार, किशोर ने एक महिला को इंस्टाग्राम पर मैसेज किया था। किशोर उस महिला पर रिलेशनशिप में आने का दबाव बना रहा था। महिला ने इसकी जानकारी रमेश को दी, जिसके कारण रमेश और किशोर में लड़ाई हो गई।

भोपाल में सरकारी पेंशन खातों में बड़ा घोटाला

बैंक कर्मचारियों ने 212 खातों से उड़ाए 44 लाख रुपए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के खातों से की गई बड़ी बैंकिंग हेराफेरी का पर्दाफाश हुआ है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने बैंक ऑफ इंडिया की सैफिया कॉलेज शाखा से जुड़े सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि कर्मचारियों ने फिनैकल सिस्टम का दुरुपयोग कर 212 निष्क्रिय खातों को नियमों के खिलाफ सक्रिय किया और तीन साल में एटीएम के जरिए 44.11 लाख रुपए निकाल लिए। यह पूरा खेल जनवरी 2016 से मार्च 2019 के बीच चलता रहा।

कैसे खुली धोखाधड़ी की परतें: मार्च 2019 में भगवती देवी नाम की

7 लोगों पर केस दर्ज

महिला ने अपने मृत पति के खाते से अवैध निकासी की शिकायत दी। यहीं से मामला खुलना शुरू हुआ। बैंक की शुरुआती जांच में ट्रांजैक्शन दो कर्मचारियों विशेष सहायक दीपक जैन और स्टाफ क्लर्क अजय सिंह परिहार से जुड़े मिले। इसके बाद बैंक विजिलेंस और ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि दोनों ने विभागीय मानकों को

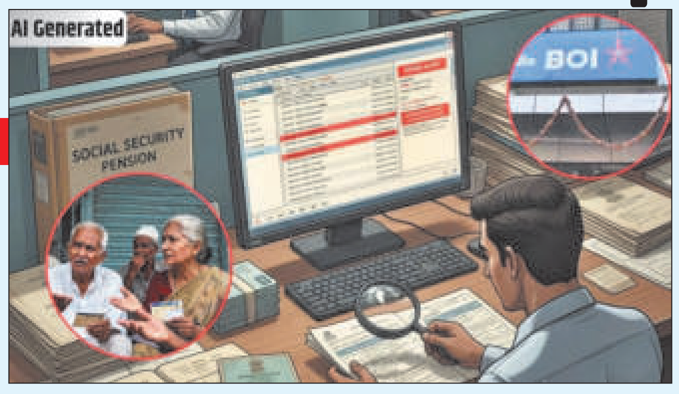

नजरअंदाज कर निष्क्रिय खातों को अपने स्तर पर एक्टिव किया और एंट्री तथा वेरिफिकेशन की प्रक्रिया भी खुद ही पूरी कर ली।

फिनैकल सिस्टम से किया गया खिलवाड़

जांच में यह सामने आया कि फिनैकल लॉग और ऑडिट ट्रेल में कई ऐसे एंट्री रिकॉर्ड मिले जो स्पष्ट करते हैं कि खातों को अवैध तरीके से एक्टिव किया गया था। 212 खातों में से 64 खाते तो सीधे सहकर्मियों की आईडी का दुरुपयोग कर दीपक जैन ने सक्रिय किए। इन खातों का उपयोग सामाजिक सुरक्षा पेंशन और राहत राशि को दूसरे खातों में भेजने के लिए किया गया।

कौन-कौन हुए नामजद

जांच में पुख्ता सबूत मिलने पर ईओडब्ल्यू ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इनमें दीपक जैन, अजय सिंह परिहार, खुशबू खान, अफरोज खान, ललिता ठाकुर, कल्पना जैन और हेमलता जैन शामिल हैं। सभी पर धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, आपराधिक साजिश, पहचान और डेटा के दुरुपयोग तथा साइबर फ्रॉड की धाराएं लगाई गई हैं।

राशि कैसे पहुंची आरोपियों तक

पैसा चार परिचितों खुशबू खान, कल्पना जैन, ललिता ठाकुर और अफरोज खान के खातों में ट्रांसफर किया गया। इन खातों के एटीएम कार्ड दीपक जैन के पास थे, जिससे वह रकम निकालता रहा। निकाली गई राशि को 70 और 30 के अनुपात में बांटने का खुलासा भी हुआ। सीसीटीवी फुटेज, एटीएम निकासी रिकॉर्ड और ट्रांजैक्शन हिस्ट्री ने इस पूरी हेराफेरी को पुष्ट कर दिया। ईओडब्ल्यू की जांच में यह भी पता चला कि दीपक जैन और उनकी पत्नी हेमलता जैन के खातों में अचानक बड़ी रकम जमा हुई। अजय परिहार के खातों में भी असामान्य लेनदेन मिले, जो गड़बड़ी के सीधे संकेत थे। बैंक की एसओपी और सुपरवाइजरी कंट्रोल का घोर उल्लंघन इस केस को और गंभीर बनाता है।

सोशल मीडिया पर हीरो बनने वाले पुलिसकर्मियों पर होगा एक्शन

पुलिस मुख्यालय हुआ सख्त डीजीपी ने जारी किये निर्देश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों और अफसरों की वर्दी में सोशल मीडिया पर 'हीरो' बनने की चाहत अब महंगी पड़ेगी। पुलिस मुख्यालय ने साफ कर दिया है कि अब वर्दी पहनकर फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर (X), यूट्यूब या व्हाट्सएप पर कोई भी फोटो, वीडियो, रील या पोस्ट डालना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने इसके लिए नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) जारी कर दी है। इसमें स्पष्ट कहा गया है कि पुलिसकर्मी वर्दी में रहते हुए सोशल मीडिया का इस्तेमाल सिर्फ आधिकारिक कार्यों तक सीमित रखेंगे। निजी तस्वीरें, डांस रील्स, ड्यूटी से जुड़े वीडियो या कोई भी ऐसा कंटेंट जो विभाग की छवि को प्रभावित कर सके, अपलोड करना सख्त मना है।

नई एसओपी में मुख्य बिंदु?

- वर्दी में कोई भी सोशल मीडिया पोस्ट/रील/स्टोरी/वीडियो अपलोड नहीं कर सकेंगे।
- ड्यूटी से जुड़ी कोई संवेदनशील जानकारी या फोटो शेयर करना पूरी तरह वर्जित।
- पुलिस की सार्वजनिक छवि और जनता का विश्वास बनाए रखना अनिवार्य।

उल्लंघन हुआ तो क्या होगी सजा?

- विभागीय जांच
- निलंबन
- वेतन वृद्धि रोकना
- पदावनति

केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियम, भारतीय न्याय संहिता एवं हिमाचल प्रदेश पुलिस अधिनियम (मध्यप्रदेश में लागू प्रावधानों के अनुसार) का पूर्ण पालन करना होगा।

सेवा से बर्खास्तगी तक की कार्रवाई

पुलिस मुख्यालय का मानना है कि कुछ पुलिसकर्मी वर्दी का दुरुपयोग कर सोशल मीडिया पर सनसनी फैला रहे थे, जिससे विभाग की गरिमा और अनुशासन पर असर पड़ रहा था। इस नई गाइडलाइन से पुलिस की छवि को और मजबूत करने तथा अनुशासन कायम करने की कोशिश की गई है। अब देखना यह है कि वर्दी में 'रियल हीरो' बनने का शौक रखने वाले पुलिसकर्मी इस नई एसओपी का कितना पालन करते हैं।

सत्यापन में हुई बड़ी चूक

फर्जी दस्तावेज से पासपोर्ट बनाकर 2 बांग्लादेशी फरार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सवालों के घेरे में पासपोर्ट विभाग-राजधानी पुलिस

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में फर्जी दस्तावेज से दो बांग्लादेशी नागरिकों ने पासपोर्ट बनवाया और फरार हो गए। सत्यापन में बड़ी चूक हुई है। वहीं पासपोर्ट विभाग और भोपाल पुलिस सवालों के घेरे में है। फिलहाल पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों ने भी जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, भोपाल के कोलार इलाके में दो बांग्लादेशी किराए के मकान में रह रहे थे। दोनों ने पहले फर्जी आधार कार्ड बनवाया और फिर मतदाता परिचय पत्र। इसके बाद फर्जी दस्तावेज के आधार पर पासपोर्ट बनवाया और फरार हो गए। ऐसे में अब कोलार पुलिस और पासपोर्ट विभाग पर सवाल खड़े हो रहे है। सत्यापन में बड़ी चूक सामने आने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों को जैसे ही इसकी खबर लगी, उनके भी होश उड़ गए। क्योंकि इससे अवैध घुसपैठ और राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं जांच के बाद सुरक्षा एवं गुप्तवार्ता के पत्र के बाद कोलार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल पुलिस दोनों बांग्लादेशी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस के आला अफसर भी जांच पड़ताल कर रहे है। साइबर पुलिस और क्राइम ब्रांच की भी मदद ली जा रही है।

अजाक्स के संतोष वर्मा ने फिर दिया भड़काऊ बयान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में आईएएस संतोष वर्मा से जुड़ा विवाद एक बार फिर उफान पर है। अजाक्स (अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ) के अध्यक्ष वर्मा का एक और नया और विवादित वीडियो सामने आते ही सियासी और सामाजिक संगठनों में नाराजगी फैल गई। सपाक्स ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने तुरंत कार्रवाई नहीं की तो 14 दिसंबर को सीएम हाउस का घेराव किया जाएगा। दूसरी ओर, सपाक्स की महिला विंग ने भी वर्मा के भाषण को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।

9 दिसंबर को वायरल हुए वीडियो में आईएएस संतोष वर्मा एक कार्यक्रम के दौरान कहते नजर आए कि 'कितने संतोष वर्मा को मारोगे, कितनों को जलाओगे, कितनों को निगल जाओगे। अब हर घर से संतोष वर्मा निकलेगा और आपके पास इतनी ताकत नहीं होगी कि आप हर संतोष वर्मा को जला सको।'

हालांकि, यह वीडियो कब का है, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं है। यह बयान सामने आते ही आरोप लगे कि वर्मा सामाजिक तनाव बढ़ाने वाले शब्दों का इस्तेमाल कर

रहे हैं। इससे पहले भी वे 'ब्राह्मण बेटी' वाले विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में थे, जिस पर सरकार ने उन्हें नोटिस भेजा था।

विवाद की जड़ में सांसद और भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद का वह बयान है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कितने संतोष वर्मा को मारोगे, हर घर से एक संतोष वर्मा निकलेगा। इसी लाइन को संतोष वर्मा ने अपने नए भाषण में दोहराया और अपने तेवर साफ कर दिए कि वे पीछे नहीं हटने वाले।

नए बयान ने सपाक्स संगठन ने खुलकर विरोध किया है। राष्ट्रीय संयोजक हीरालाल त्रिवेदी ने कहा कि अगर हर घर में संतोष वर्मा पैदा होगा तो क्या हर घर की बेटी खतरे में जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर महिला उत्पीड़न के मामले चल रहे हों और जिस पर बेटी का अपमान करने के आरोप हों, उस पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

एमपी कांग्रेस में प्रवक्ताओं के चयन के लिए टैलेंट हंट का आयोजन

11 सदस्यीय समिति का गठन

मीडिया विभाग अध्यक्ष का नाम सूची से गायब

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश कांग्रेस में प्रवक्ताओं के चयन के लिए टैलेंट हंट का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए पार्टी ने 11 सदस्यीय टैलेंट हंट समिति बनाई है। जिसमें कई युवा चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेकिन मीडिया विभाग अध्यक्ष मुकेश नायक का नाम सूची से गायब है। जिससे संगठन में चर्चा तेज हो गई है। वहीं कांग्रेस मीडिया प्रमुख को चेयरमैन न बनाने पर सवाल उठ रहे है।

एमपी कांग्रेस ने 'टैलेंट हंट समिति' को लेकर पत्र जारी किया है। जिसमें लिखा है प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अंतर्गत प्रदेश प्रवक्ताओं के चयन हेतु 'टैलेंट हंट' कार्यक्रम के संचालन के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से योग्य, प्रभावी और जनसंवेदनशील प्रवक्ताओं का चयन करना है, ताकि कांग्रेस पार्टी के विचार, नीतियां और जनता के मुद्दों को सशक्त ढंग से जनता के बीच प्रस्तुत किया जा सके।

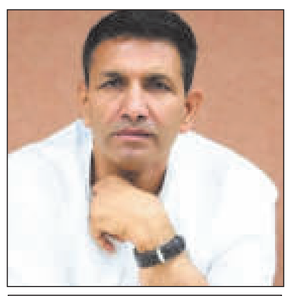

पीसीसी चीफ ने कहा-

इस अवसर पर पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि 'कांग्रेस संगठन में प्रतिभाशाली और विचारशील साथियों को उचित अवसर देना हमारा संकल्प है। यह 'टैलेंट हंट' अभियान कांग्रेस के भविष्य के प्रवक्ताओं को पहचानने और उन्हें मंच देने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।'

समिति में निम्नलिखित सदस्यों को शामिल किया गया है

- **अध्यक्ष:** अभय तिवारी, प्रभारी मीडिया एवं कम्युनिकेशन
- **सदस्य:** अवनीश भार्गव, अध्यक्ष सेवा दल
- यश घनघोरिया, अध्यक्ष युवक कांग्रेस
- रीना बोरीसी, अध्यक्ष महिला कांग्रेस
- आयुषतोष चौकसे, अध्यक्ष भारतीय छात्र संगठन
- महेंद्र जोशी, प्रभारी प्रशिक्षण कार्यक्रम
- मेघा परमार, अध्यक्ष बाल कांग्रेस
- अभिनव बारोलिया, प्रवक्ता
- मिथुन अहिरवार, प्रवक्ता
- राहुल राज, प्रवक्ता
- आनंद जाट, प्रवक्ता

एनसीएसटी कराएगा विधायक संजय पाठक की जांच

5 जिलों के कलेक्टरों को दिया नोटिस, एक माह के अंदर मांगी रिपोर्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री व विधायक संजय पाठक की जांच कराएगा। जबलपुर, सिवनी, डिंडोरी, कटनी और उमरिया कलेक्टर आदिवासी के नाम पर जमीन खरीदी की रिपोर्ट देंगे। आयोग ने कहा कि इसकी रिपोर्ट एक माह में मिल जानी चाहिए, नहीं तो समन जारी कर पांचों कलेक्टरों या उनके प्रतिनिधियों को तलब कर रिपोर्ट ली जाएगी।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने कहा है कि जबलपुर, सिवनी, डिंडोरी, कटनी और उमरिया जिलों में बैगा जनजाति के साथ धोखाधड़ी कर अरबों रुपए की बेनामी भूमि खरीदने का काम किया गया है। आयोग के समक्ष ऐसी शिकायत दिव्यांशु मिश्रा अंशु निवासी कटनी ने की है। शिकायतकर्ता दिव्यांशु ने दावा किया कि संजय पाठक के परिवार ने 4 गरीब आदिवासियों के नाम का दुरुपयोग कर पांच जिलों में आदिवासी भूमि खरीदी। जो लगभग 1173 एकड़ बताई जा रही है।

भोपाल। आज अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के स्थापना दिवस पर महिला सशक्तिकरण पर प्रशासन अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया सहित अनेक अतिथियों ने स्मारिका का विमोचन किया।

नए साल में लग सकता है बिजली का झटका, मप्र पावर जनरेशन कंपनी ने 10% तक बढ़ोतरी का रखा प्रस्ताव

भोपाल। मध्यप्रदेश में नए साल की शुरुआत बिजली उपभोक्ताओं को बिजली का करंट लग सकता है। राज्य की पावर जनरेशन कंपनी ने मप्र विद्युत नियामक आयोग के समक्ष बिजली दरों में 10 प्रतिशत तक इजाफे का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। आयोग इस प्रस्ताव पर सुझाव और आपत्तियां लेने के लिए जन सुनवाई आयोजित करने की तैयारी कर रहा है। नियामक आयोग जन सुनवाई के दौरान आम जनता और हितधारकों की आपत्तियाँ सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय देगा। फिलहाल प्रस्ताव ने उपभोक्ताओं में नए साल के बिलों को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

एमपी में सर्द हवाओं से लुढ़का पारा

25 शहरों में तापमान 10 डिग्री से नीचे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी है। सर्द हवाओं से रात का पारा लुढ़क गया है। भोपाल-इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर समेत 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। एक बार फिर शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा रहा। यहां पारा लगातार तीसरे दिन भी 5 डिग्री के नीचे बना हुआ है। प्रदेश में अगले दो दिन शीतलहर चलने का अलर्ट है।

बात करें बीती रात की तो मंगलवार को प्रदेश के 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। सबसे कम शहडोल का कल्याणपुर, जहां 4.7 डिग्री तापमान रहा। पचमढ़ी में 5 डिग्री, राजगढ़ में 5.6, नौगांव में 6, इंदौर में 6.1, उमरिया में 6.4 डिग्री, भोपाल में 7.2 डिग्री, रीवा में 7.5 डिग्री, मलाजखंड में 7.6 डिग्री, शिवपुरी-रायसेन और मंडला में 8 डिग्री, जबलपुर में 8.5 डिग्री, बैतूल में 8.6 डिग्री, ग्वालियर-खजुराहो और दतिया में 9 डिग्री, सतना-दमोह और नरसिंहपुर में 9.2 डिग्री, उज्जैन में 9.5 डिग्री, छिंदवाड़ा में 9.6 डिग्री, टीकमगढ़ और सीधी जिले में 9.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

यहां कोल्ड वेव का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम सक्रिय है। 222 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से सर्द हवाएं बढ़ रही है। जिससे मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कहीं फसलों पर ओस की बूंद जम रही है तो कहीं झील के पानी से भाप उठती हुई नजर आ रही है। एमपी में बुधवार और गुरुवार को कोल्ड वेव का अलर्ट है। इन दो दिनों में भोपाल, इंदौर, राजगढ़, विदिशा, सीहोर और शाजापुर में शीतलहर चलने का अनुमान है।

चुनाव आयोग से पड़ी फटकार | बीएलओ को तुरंत गलत प्रविष्टियां सुधारने के निर्देश

टारगेट पूरा करने के चक्कर में 2.26 लाख नाम नो मैपिंग में डाले

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल में एसआईआर के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। टारगेट पूरा करने की जल्दबाजी में बीएलओ ने हजारों वोटरों के नाम बिना पुख्ता वजह के नो-मैपिंग में डाल दिए। मामला आयोग तक पहुंचा तो सख्त निर्देश जारी हुए और विभाग में हड़कंप मच गया। अब गलती सुधारने के लिए टीमें टेंट लगाकर रात-दिन स्क्रीनिंग कर रही हैं।

नो-मैपिंग में 2.26 लाख नाम, फटकार के बाद 15 हजार की रीचेकिंग: जिले में 7 दिसंबर को नो-मैपिंग वाले वोटरों की संख्या 2 लाख 26 हजार 586 दर्ज की गई थी, जो कुल डेटा का लगभग 10.66 प्रतिशत बनती है। आयोग ने जब यह आंकड़ा देखा तो बीएलओ को तुरंत गलत प्रविष्टियां सुधारने को कहा। आदेश स्पष्ट था कि बिना ठोस कारण किसी भी नाम को नो-मैपिंग में न रखा जाए। इसके बाद बीएलओ ने तेज गति से काम करते हुए 15 हजार 311 नामों को रीचेकिंग में डाल दिया। अगले चार दिनों तक इन सभी एंट्री की दोबारा जांच होगी। जिन इलाकों से सबसे ज्यादा शिकायतें आईं, वहां फील्ड टीमें भेज दी गई हैं।

एसआईआर के दौरान गणना प्रपत्र ऑनलाइन जमा हुआ है या नहीं, इसकी जानकारी जल्द ईसीआई ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। बीएलओ घर-घर जाकर भी इसकी पुष्टि करेंगे। जिन लोगों ने अब तक गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे 11 दिसंबर तक इसे दे सकते हैं। तय समय में प्रपत्र न देने पर नाम वोटर लिस्ट से हट सकता है और दोबारा जोड़ने के लिए फॉर्म-6 भरना पड़ेगा। दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को पहले अपने राज्य से नाम कटवाना होगा, फिर यहां फॉर्म-6 और जरूरी दस्तावेज देकर नाम जुड़वाया जाएगा। गणना प्रपत्र भरना हर वोटरके लिए अनिवार्य रखा गया है।

डेटा को लेकर आयोग सख्त

आयोग पहले ही साफ कर चुका है कि गलत डेटा डालना गंभीर गलती मानी जाएगी और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई हो सकती है। मंगलवार (9 दिसंबर) को संशोधन के बाद नो-मैपिंग वाले नाम घटकर 2 लाख 11 हजार 275 रह गए, जो अब कुल वोटरों का 9.94 प्रतिशत है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के मुताबिक, जिले में अभी 2029 पोलिंग बूथ हैं और आयोग ने 260 नए बूथ की अनुमति दे दी है। जल्द ही कुल बूथ की संख्या 2289 हो जाएगी।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।